ई-पेपर संस्करण
मंगलवार, 21 अक्टूबर 2025

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम
अधि. 32.8
न्यून. 16.7

7 हमारा शॉट चयन बेहतर हो सकता था: मंधाना

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को दिया आदेश

गरीब कैदियों को दिवाली गिफ्ट जमानत राशि के भुगतान के लिए एसओपी में संशोधन

सुप्रीम कोर्ट ने गरीब विचाराधीन कैदियों की जमानत राशि के भुगतान के लिए एसओपी में संशोधन किया है। अब जिलाधिकारी की अध्यक्षता वाली समिति जमानत राशि जारी करेगी, जिसमें अधिकतम 50,000 रुपये तक की वित्तीय सहायता दी जा सकती है।

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) के माध्यम से राज्य सरकारों की ओर से गरीब विचाराधीन कैदियों की जमानत राशि के भुगतान के लिए एसओपी में संशोधन किया है। पीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी और न्यायमित्र वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा की ओर से दिए गए सुझाव को स्वीकार करते हुए यह आदेश दिया। शीर्ष न्यायालय ने पिछले वर्ष 13 फरवरी को जारी अपने पूर्व एसओपी में कुछ संशोधन किए और आदेश दिया कि जिलाधिकारी या जिलाधिकारी द्वारा नामित व्यक्ति, प्राधिकरण के सचिव, पुलिस अधीक्षक, संबंधित जेल के अधीक्षक/उपाधीक्षक और संबंधित जेल के प्रभारी न्यायाधीश की एक अधिकार प्राप्त समिति गठित की जाएगी।

जमानत दिए जाने के आदेश के सात दिन के भीतर जेल से रिहा करना होगा

ऐसा न होने पर जेल अफसर को प्राधिकरण के सचिव को सूचित करना होगा

प्राधिकरण के सचिव को सूचित करें

प्राधिकरण सचिव अधिकार प्राप्त समिति की बैठकों के संयोजक होंगे। शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर विचाराधीन कैदी को जमानत दिए जाने के आदेश के सात दिनों के भीतर जेल से रिहा नहीं किया जाता तो जेल अधिकारी प्राधिकरण के सचिव को सूचित करें। न्यायालय ने कहा कि सूचना प्राप्त होने पर प्राधिकरण के सचिव यह सुनिश्चित करेंगे कि विचाराधीन कैदी के बचत खाते में धनराशि है या नहीं और अगर राशि नहीं है तो पांच दिनों के भीतर इसके लिए प्राधिकरण को अनुरोध भेजा जाएगा।

5 दिन के अंदर धनराशि जारी करने के निर्देश

शीर्ष अदालत ने कहा, 'इंटरऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम' (आईसीजेएस) में एकीकरण लंबित रहने तक जिला स्तरीय अधिकार प्राप्त समिति (डीएलईसी) रिपोर्ट प्राप्त होने की तारीख से पांच दिनों के भीतर प्राधिकरण की सिफारिश पर जमानत के लिए धनराशि जारी करने का निर्देश देगी।' न्यायालय ने आदेश में कहा कि समिति, प्राधिकरण द्वारा सुझाए गए मामलों पर विचार करने के लिए प्रत्येक माह के पहले और तीसरे सोमवार (अगर ऐसे दिनों में अवकाश हो, तो अगले कार्यदिवसों पर) को बैठक करेगी।

राशि सावधि जमा के रूप में होगी उपलब्ध

पीठ ने कहा कि अगर अधिकार प्राप्त समिति द्वारा यह सिफारिश की जाती है कि कोई विचाराधीन कैदी 'गरीब कैदियों को सहायता योजना' के तहत सहायता पाने का पात्र है, तो उस स्थिति में उस कैदी को अधिकतम 50,000 तक की वित्तीय सहायता दी जा सकती है। यह राशि अदालत के पास सावधि जमा के रूप में या किसी अन्य निर्धारित माध्यम से उपलब्ध कराई जानी चाहिए। न्यायालय ने कहा कि यह प्रक्रिया समिति के निर्णय के पांच दिनों के भीतर पूरी की जानी चाहिए।

खबर संक्षेप

बोलीविया में रोड्रिगो पाज ने राष्ट्रपति चुनाव में हासिल की जीत

ला पाज (बोलिविया) (एपी)। बोलीविया में रविवार को हुए राष्ट्रपति चुनाव में मध्यमार्गी सीनेटर रोड्रिगो पाज ने जीत हासिल की है। शुरुआती परिणामों के अनुसार, देश के आर्थिक संकट से नाराज और बीते 20 वर्षों से सत्तारूढ़ ''मूवमेंट टुवार्ड सोशलिज़्म'' पार्टी से निराश मतदाताओं ने पाज के पक्ष में मतदान किया। सर्वोच्च निर्वाचन प्राधिकरण के अध्यक्ष ऑस्कर हसेंटेउफेल ने कहा, ''रुझान अब अपरिवर्तनीय है।' *एजेंसी*

इंडिगो की फ्लाइट में लगी आग, यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट पर इंडिगो की दीमापुर जाने वाली फ्लाइट में एक पावर बैंक में आग लग गई। गनीमत रही कि सभी यात्री सुरक्षित हैं। यह घटना तब हुई जब विमान उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था। सूत्रों के अनुसार, यह घटना दिल्ली हवाई अड्डे पर हुई। विमान में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। किसी भी यात्री को कोई चोट नहीं आई है। *एजेंसी*

मेहुल चोकसी समेत 15 वांटेड प्रत्यर्पण लिस्ट में

नई दिल्ली। बेल्जियम में एंटवर्प की एक कोर्ट ने 17 अक्टूबर को भारत के भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी की अपील खारिज कर दी। अधिकारियों का कहना है कि सीबीआई इस साल अभी तक 35 भगोड़ों को भारत लाने में कामयाब हुई है। जिसे इस साल के अंत तक हाफ सेंचुरी तक बढ़ाने की योजना है। अधिकारियों का कहना है कि सीबीआई की एक टीम केवल इसी बात पर काम कर रही है कि कैसे इस साल अधिक से अधिक भगोड़ों को भारत वापस लाने में कामयाब मिल सके। *एजेंसी*

पीएम ने आईएनएस विक्रांत पर नौसैनिकों के बीच मनाई दिवाली

हमारी सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर में पाक को घुटने पर ला दिया : मोदी

विक्रांत आज आत्मनिर्भर भारत और मेड इन इंडिया का बहुत बड़ा प्रतीक

एजेंसी ▶▶| गोवा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को गोवा में आईएनएस विक्रांत पर नौसैनिकों के बीच दिवाली मनाई। वे एक दिन पहले यहां पहुंच गए थे। इस दौरान उन्होंने नौसैनिकों से बातचीत की। यहां उन्होंने करीब 40 मिनट की स्पीच दी। कहा, हमारा विक्रांत आज आत्मनिर्भर भारत और मेड इन इंडिया का बहुत बड़ा प्रतीक है। आईएनएस विक्रांत ने अभी पाकिस्तान की रातों की नींद उड़ा दी थी। जिसका नाम ही दुश्मन का चैन छीन ले, वो आईएनएस विक्रांत है।' यह 12वीं बार है कि पीएम दिवाली पर जवानों के बीच पहुंचे और दीवाली मनाई। पिछले साल पीएम गुजरात के कच्छ पहुंचे थे। यहां उन्होंने बीएसएफ, आर्मी, नेवी और एयरफोर्स के जवानों को मिठाई खिलाई थी। बीते 11 सालों में दिवाली के मौके पर पीएम सबसे ज्यादा 4 बार जम्मू-कश्मीर गए थे।

पीएम मोदी ने जवानों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि महासागर को चीरता हुआ स्वदेशी आईएनएस विक्रांत भारत की सैन्य क्षमता का प्रतिबिंब है। विक्रांत ने अभी पाकिस्तान की रातों की नींद उड़ा दी थी। जिसका नाम ही दुश्मन का चैन छीन ले, वो आईएनएस विक्रांत है।

12वीं बार जवानों के बीच रहे

वायुसेना ने दिखाया अद्भुत कौशल
भारतीय नौसेना के पैदा किए गए भय ने, भारतीय वायुसेना के दिखाए गए अद्भुत कौशल ने, भारतीय सेना की जाबांजी ने यानी तीनों सेनाओं के जबरदस्त समन्वय ने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को इतनी जल्दी घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया।

नौसैनिकों से बहुत कुछ सीखा : मैं कल से आपके (नौसैनिकों) बीच हूं। एक-एक मैंने कुछ सीखा है, कुछ न कुछ जाना है। दिल्ली से निकला था तो सोचा था कि इस पल को जी लूं। आप लोगों की तपस्या, आप लोगों की साधना, आपका समर्पण इतनी ऊंचाई पर है कि मैं उसे जी नहीं पाया, लेकिन जान जरूर पाया। मैं अंदाज लगा सकता हूं कि इसे जीना कितना कठिन होगा।

पीएम बोले- नौसेना ने विदेश में फंसे लोगों को बचाया : पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा- हमारी नौसेना ने विदेश में फंसे लोगों को लाने के लिए अभियान चलाए। आपके शौर्य और साहस ने दुनिया में रह रहे भारतीयों के विश्वास को मजबूत किया है। हमारे सैन्य बलों ने जल, थल, नभ में हर परिस्थिति में पूरी संवेदनशीलता के साथ सेवा की है।

अगले महीने हरियाणा आ सकते हैं मोदी

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा आ सकते हैं। संभावना जताई जा रही है कि वह 25 नवंबर को कुरुक्षेत्र में होने वाली गीता जयंती के कार्यक्रम में शामिल हों। सीएम नायब सैनी ने पीएम के दौरे को लेकर 18 अक्टूबर को पटना में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से चर्चा भी की थी। इससे पहले, 17 अक्टूबर को नायब सरकार का एक साल पूरा होने पर सोनीपत में होने वाली रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आना था, लेकिन ऐन वक्त पर उनका प्रोग्राम रद्द हो गया था।

पैतृक गांव खरकड़ी माखवान में अंतिम संस्कार

उत्तराखंड में जवान की खाई में गिरने से मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा में भिवानी के रहने वाले सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के कॉन्स्टेबल अनिल कुमार शहीद हो गए। वह सशस्त्र सीमा बल की 55वीं वाहिनी में तैनात थे। उनकी ड्यूटी उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में थी। शनिवार-रविवार रात गश्त के दौरान अनिल कुमार का पांव फिसल गया, जिसके कारण वे खाई में गिर गए। इस दौरान उनके सिर में चोट लग गई और वे शहीद हो गए। रविवार को पिथौरागढ़ में अनिल कुमार को श्रद्धांजलि दी गई। सोमवार को पैतृक गांव खरकड़ी माखवान में राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। एसएसबी ने बताया कि अनिल कुमार ने अपनी नौकरी के दौरान पूरी ईमानदारी और अनुशासन से काम किया। वे हमेशा अपने काम को लेकर सजग रहते थे।

भिवानी के रहने वाले

3 भाइयों में सबसे छोटे थे

खरकड़ी माखवान गांव के सरपंच राजेश कुमार ने बताया कि अनिल कुमार 3 भाइयों में छोटे थे। दोनों भाई खेती करते हैं। इनके पिता कृष्ण कुमार भी किसान थे। 4-5 साल पहले कृष्ण का निधन हो गया था। अनिल कुमार 10 जुलाई 2012 को सशस्त्र सीमा बल में भर्ती हुए थे। इनकी 2 साल पहले शादी हुई थी। पत्नी इनके साथ उत्तराखंड में ही रहती थी। 2 महीने पहले अनिल छुट्टी लेकर पत्नी के साथ गांव आए थे। कुछ दिन रुकने के बाद वह चले गए।

19 अक्टूबर को गांव में सूचना आई

सरपंच राजेश कुमार ने बताया कि रविवार को गांव में सूचना आई कि अनिल कुमार ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए। अनिल के बड़े भाई सुनील कुमार पार्थिव शरीर लेने के लिए उत्तराखंड गए हैं। इसके बाद गांव में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

हरियाणा में अगस्त में हुई एडीए की भर्ती परीक्षा रद्द

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार को बड़ा झटका देते हुए पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने राज्य के अभियोजन विभाग में सहायक जिला अटॉर्नी (एडीए) के 255 पदों के लिए पूरी भर्ती प्रक्रिया को रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा है कि जनरल नॉलेज पर आधारित स्क्रीनिंग टेस्ट का नौकरी के लिए आवश्यक कानूनी कौशल से कोई संबंध नहीं है और इसमें योग्य उम्मीदवारों को अनुचित तरीके से बाहर रखा गया है। जस्टिस संदीप मौदगिल ने 36 पेजों के विस्तृत आदेश में कहा कि एग्जाम का सिलेबस, जिसमें सामान्य विज्ञान, समसामयिक घटनाएं, इतिहास, भूगोल और बुनियादी गणित शामिल थे। लॉ सब्जेक्ट की अनदेखी की गई।

हाईकोर्ट ने कहा- एग्जाम में लॉ सब्जेक्ट के सवाल ही नहीं

चुराचांदपुर में राज्य ऊर्जा कंपनी के सात कर्मियों पर 'हमला'

इंफाल (भाषा)। चुराचांदपुर जिले में मणिपुर राज्य ऊर्जा कंपनी लिमिटेड के सात कर्मियों पर सब स्टेशन के परिसर में कथित रूप से अज्ञात बदमाशों ने हमला किया। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने इसे क्रूर हमला बताते हुए कड़ी निंदा की है। अधिकारी ने बताया, 18 जनवरी को सब स्टेशन के परिसर में अज्ञात बदमाशों ने 33/11 केवी सब स्टेशन के प्रभारी समेत सात लोगों पर हमला किया। इस हमले का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। एक बयान अनुसार कंपनी ने त्वरित एवं पारदर्शी जांच तथा हमले के लिए जिम्मेदार लोगों की गिरफ्तारी की मांग की है। मणिपुर में मई 2023 से मैतेई और कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा के कारण 260 से अधिक लोग मारे गए।

मणिपुर में फिर बढ़ा तनाव

रेलवे के खिलाफ फैलाई अफवाह तो होगी एफआईआर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेलवे मंत्रालय ने कहा है कि वह सोशल मीडिया पर पुराने और भ्रामक वीडियो अपलोड करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करेगा। इसके लिए चार दिनों में 20 से अधिक ऐसे मामलों में एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जो विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पुराने और झूठे वीडियो डालकर रेलवे की इमेज को खराब करने की कोशिश कर रहे थे। रेलवे ने चेतावनी देते हुए कहा है कि ऐसे लोगों पर जो सोशल मीडिया पर पुराने वीडियो साझा कर अफवाह फैलाने और भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उनके खिलाफ रेलवे अधिनियम की धारा 145 (बी) के अंतर्गत कार्रवाई की जा रही है। जिसमें दोषियों को छह महीने तक की सजा हो सकती है।

दोषियों को छह महीने तक की हो सकती है सजा

तमिलनाडु समेत दक्षिण भारत के 3 राज्यों में भारी बारिश

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल में पिछले दो दिनों से भारी बारिश हो रही है। सबसे ज्यादा तमिलनाडु प्रभावित है। यहां सोमवार को 11.2 मिमी बारिश हुई। चेन्नई और थूथुकुडी के कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। कई इलाकों में पानी भर गया। सड़कों पर से निकलने में लोगों को मुश्किल हुई। चेन्नई एयरपोर्ट के रनवे पर भी पानी भरने की खबर है। चेन्नई में रविवार से अब तक 10 मिमी से ज्यादा बारिश हो चुकी है। भारतीय मौसम विभाग ने बताया कि दक्षिण-पूर्व अरब सागर और लक्षद्वीप के ऊपर बने कम दबाव के कारण बारिश हो रही है। आईएमडी ने बताया कि रविवार से ही केरल और लक्षद्वीप में भारी भी बारिश हो रही है।

चेन्नई की सड़कों और एयरपोर्ट पर पानी भरा

सात विमान मार गिराए जाने की बात कही

ट्रंप ने फिर किया भारत-पाक के बीच युद्ध रुकवाने का दावा

वाशिंगटन (भाषा)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच हुई गोलीबारी में सात विमान मार गिराए गए, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि वे किस देश के थे। रविवार को एक साक्षात्कार में ट्रंप ने दावा किया कि शुल्क लगाने की धमकी ने भारत और पाकिस्तान को युद्ध रोकने के लिए मजबूर किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, "शुल्क की धमकी ने दो परमाणु शक्ति संपन्न देशों भारत और पाकिस्तान को युद्ध से रोक दिया। वे युद्ध कर रहे थे। सात विमान मार गिराए गए; यह बहुत बड़ी बात है। दोनों के बीच परमाणु युद्ध हो सकता था।" ट्रंप ने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने लाखों लोगों की जान बचाने के लिए उनकी प्रशंसा की।

दर्जनों बार ऐसा कह चुके

ट्रंप ने 10 मई को सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि अमेरिका की मध्यस्थता में लंबी बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान "पूर्ण व तत्काल" संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं। तब से उन्होंने दर्जनों बार यह दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने में मदद की। भारत ने लगातार यह कहा है कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम पर सहमति दोनों सेनाओं के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच सीधी बातचीत के बाद बनी थी।

200% टैरिफ की धमकी

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान पर 200 प्रतिशत शुल्क (टैरिफ) लगाने की धमकी दी थी, जिसकी वजह से उन्हें युद्ध रोकना पड़ा। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने दोनों देशों से कहा, "हम 200 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे, जिससे आपके लिए सौदा करना असंभव हो जाएगा।

बल्लभगढ़ में एक्यूआई 305 पहुंचा, तापमान 35.5 डिग्री

हरियाणा में दिवाली पर 5 शहरों में हवा जहरीली हुई, ग्रैप-2 की पाबंदियां शुरू

ग्रीन पटाखों को छोड़कर अन्य सभी तरह के पटाखों पर बैन

सरकार की पाबंदी के बावजूद अन्य पटाखों की बिक्री भी हो रही है। जिससे दीपावली से अगले दिन हरियाणा एक गैस चैंबर के रूप में तब्दील हो सकता है। इससे सांस व हृदय संबंधी रोगियों को समस्या आ सकती है।

हिसार (हरिभूमि न्यूज)। हरियाणा में दिवाली से पहले प्रदूषण गंभीर स्थिति में पहुंच गया है। हरियाणा एनसीआर के बल्लभगढ़ में प्रदूषण का स्तर 305 पर पहुंच गया जो गंभीर स्थिति में आता है। इसके अलावा 4 शहर बहादुरगढ़, रोहतक, नारनौल और गुरुग्राम में प्रदूषण खराब स्थिति में पहुंच गया है। प्रदेश में प्रदूषण का स्तर देखते हुए ग्रैप 2 की पाबंदियां शुरू हो गई हैं। इससे पहले 14 नवंबर को एनसीआर में ग्रैप का पहला चरण लागू हो हुआ था। औसत एक्यूआई से अलग मैक्सिमम एक्यूआई इन शहरों में 500 तक पहुंच रहा है। दिवाली पर होने वाली आतिशबाजी के कारण प्रदेश में एक्यूआई का स्तर दोगुना बढ़ने की संभावना है।

500 तक जा सकता है एक्यूआई

11 जिलों में मध्यम है प्रदूषण स्तर

इसके अलावा प्रदेश के 11 जिलों सोनीपत, कैथल, कुरुक्षेत्र, धारूहेड़ा, फतेहाबाद, अंबाला, पंचकूला, करनाल, जींद, पानीपत और यमुनानगर में प्रदूषण का स्तर मध्यम बना हुआ है। वहीं इसके अलावा प्रदेश के बाकी इलाकों में हवा साफ है। हिसार में एक्यूआई मापने वाला यंत्र बंद पड़ा है। इसके कारण डेटा उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। भिवानी में सबसे कम एक्यूआई 33 रहा।

6 शहरों का तापमान 18° से कम

वहीं, उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलने से न्यूनतम तापमान में कमी देखने को मिल रही है। हरियाणा के 6 शहर हिसार, गुरुग्राम, जींद, कैथल, महेंद्रगढ़ और पंचकूला में तापमान 18 डिग्री से कम दर्ज किया गया है। वहीं दिन के समय धूप खिलने से अब भी गर्मी बनी हुई है। करनाल के इंद्री रेस्ट हाउस के नजदीक तापमान 35.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं पलवल में तापमान 35.3, अंबाला और हिसार में 34 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

खबर संक्षेप

चंडीगढ़ में दिवाली पर 24 घंटे मिलेंगी इमरजेंसी सेवाएं

चंडीगढ़। चंडीगढ़ मे दिवाली को लेकर पुलिस, स्वास्थ्य और फायर बिग्रेड के अधिकारी अलर्ट पर हैं। पुलिस के जवानों को 24 घंटे के लिए शहर में तैनात किया गया है। पुलिस कंट्रोल रूम का नंबर चौबीस घंटे एक्टिव रहेगा, अधिकारियों ने तैनात कर्मचारियों को और अलर्ट पर रखा है। 850 जवान शहर की सुरक्षा की निगरानी करेंगे।स्वास्थ्य विभाग की ओर से जीएमएसएच-16, मनीमाजरा, सेक्टर-22 और सेक्टर-45 के सिविल अस्पतालों में 24 घंटे इमरजेंसी सेवाएं मुस्तैद रखने के आदेश हैं।

महेंद्रगढ़ का कुख्यात बदमाश राजस्थान पुलिस ने दबोचा

नारनौल। महेंद्रगढ़ जिले के नारनौल के साथ लगते सीमावर्ती राजस्थान की कोटपूतली- बहरोड़ पुलिस ने जिला महेंद्रगढ़ के एक बदमाश को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। उसके पास काफी संख्या में देसी व विदेशी हथियार मिले हैं। उस पर महेंद्रगढ़ जिला में छह मामले दर्ज हैं तथा पुलिस की ओर से वह इनामी बदमाश था। वह लारेंस गैंग के सक्रिय सदस्य राजस्थान के पनियाला थाना पुलिस व डीएसटी टीम कोटपूतली-बहरोड़ की संयुक्त कार्रवाई में नांगल चौधरी थाना क्षेत्र के कालबा गांव निवासी संजय को गिरफ्तार किया गया।

प्रेमानंद की ज्ञानानंद महाराज से मुलाकात

मथुरा। वृंदावन के प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज और हरियाणा के संत गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज की भेंट का वीडियो अनुयायियों में श्रद्धा का केंद्र बना है। इसमें ज्ञानानंद महाराज वृंदावन में प्रेमानंद महाराज का स्वास्थ्य हाल पूछने गए। वहां संत ने चरण धोकर और दंडवत होकर स्वागत किया। वृंदावन में मुलाकात पर ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि प्रेमानंद महाराज एक ऐसे संत हैं, जिन्होंने समाज में नाम और भक्ति के प्रति गहरा भाव जगाया है। जब वह वृंदावन पहुंचे, तो प्रेमानंद महाराज ने बहुत ही विनम्रता के साथ उनका स्वागत किया।

कार्यवाहक डीजीपी ओपी सिंह ने कहा, पुलिस का काम बदमाशों और ठगों को जेलों तक पहुंचाने का

दो सहकर्मियों का मौत के बाद पुलिस उठाएगी कई कदम भविष्य में नहीं हों ऐसी घटनाएं

इस तरह से पुलिस करती सप्लाई चैन का काम, तनाव में नहीं आएं कर्मचारी

एक आईपीएस वाई पूरन कुमार और एएसआई संदीप लाठर की मौत के बाद डीजीपी चिंतित

योगेंद्र शर्मा ▶▶| चंडीगढ़

हरियाणा कैडर के एक आईपीएस वाई पूरन कुमार और एएसआई संदीप लाठर की दुखद मौत के मामले को लेकर हरियाणा सरकार और कार्यवाहक डीजीपी ओपी सिंह चिंतित और व्यथित हैं। घटनाक्रम से सबक लेते हुए हरियाणा पुलिस के आला अफसर कई अहम कदम उठाने जा रहे हैं ताकि आने वाले वक्त में इस तरह की घटना नहीं हो। कार्यवाहक डीजीपी ने साफ किया की पुलिस का काम बेहद ही टेंशन और चुनौतीपूर्ण है, हमारा काम तो बदमाशों को जेलों तक पहुंचाने का काम है। इसके साथ ही उन्होंने साफ कर दिया है कि सूबे में 70 हजार के करीब पुलिस बल है, जिनके परिवार बच्चे भी हैं। आने वाले वक्त में पुलिस तनावमुक्त हो और बेहतर काम कर सके इस दिशा में कई अहम कदम उठाए जाएंगे। कार्यवाहक डीजीपी ओपी सिंह का कहना है कि दो बड़ी क्षति हरियाणा में हुई है। जिस प्रकार से आमी में आर्मी वाइफस वेलफेयर संगठन काम कर रहे हैं, इस तरह से पुलिस में भी हैं लेकिन उतने सक्रिय नहीं है। आने वाले वक्त में इन्हें सक्रिय करने के साथ ही अन्य कई कदम उठाए जाएंगे। भविष्य में पुलिस चुनौती के बीच में भी तनाव रहित रहे और घर का माहौल बेहतर बने इसके लिए कई कदम उठाए जाएंगे। इस दिशा में हमने योजना तैयार की है। रहने सहने का वातावरण अच्छा हो और बेहतर ढंग से काम हो सके।

पुलिस विभाग को सशक्त बनाने का दिया संदेश

कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह ने चुनौतियों के बीच पुलिस विभाग को सशक्त बनाने का संदेश दिया है। अतिरिक्त कार्यभार संभालने के बाद में राज्य के सभी सीपी, एसपी, डीसीपी और एसएचओ को अपने काम पर पूरा ध्यान केंद्रित करने और बदमाशों, ठगों की जेलों तक पहुंचाने के लिए कमर कसकर तैयार रहने को कहा है। प्रदर्शन और धरना और जुलूसों को व्यवस्थित ढंग से नियंत्रित करने पर जोर देते हुए ओपी सिंह ने राज्य कीकानून व्यवस्था में सुधार का संकल्प दोहराया है।

शहीदों और उनके बलिदान को याद रखना होगा

नए कार्यवाहक डीजीपी वैसे, तो कई जिलों में बतौर एसपी और कई रेंज में बतौर आईजी सेवाएं दे चुके हैं। साथ ही वे पूर्व सीएम और केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल के भी करीबी रहे हैं। ओपी सिंह का कहना है कि अपने शहीदों और योद्धाओं के बलिदान को याद रखने की जरूरत है। पुलिस में भी बेहद निडर और योद्धा पुलिस कर्मी अफसर रहे हैं, उनके बलिदान को याद रखना होगा। एक बार उनकी एंट्री सीएमओ में भी हुई थी। बताया गया है कि सुशांत राजपूत के जीजा और बिहार में अच्छा खासा रसूख रखने वाले ओपी सिंह के परिवार का बिहार की सियासत में भी खासा दखल है। इन दिनों ओपी सिंह को हरियाणा पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन में बतौर एमडी और हरियाणा नारकोटिक्स नियंत्रण ब्यूरो महानिदेशक के तौर पर भी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। 1992 बैच के ओपी सिंह की सेवानिवृत्ति का समय भी नजदीक है। लेकिन सरकार ने अहम जिम्मेदारी उनकी कार्यशैली को देखते हुए सौंपी है। अंबाला पंचकूला, हिसार, रेवाड़ी कई रेंज और जिलों में एसपी रहने वाले ओपी सिंह कई अहम पदों पर सेवाएं दे चुके हैं।

रोहतक में दर्दनाक वारदात, 3 बच्चों का पिता था

चचेरे भाई की हत्या, फोन कर बुलाया तेजधार हथियार से गला काटा

सांपला पुलिस ने शिकायत पर हत्या का केस दर्ज किया

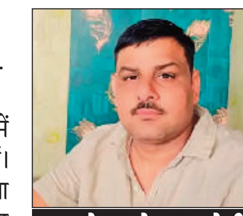

रोहतक (हरिभूमि न्यूज)। रोहतक में दिवाली पर चचेरे भाई की हत्या कर दी गई। पहले उसे फोन कर घर से बाहर बुलाया और फिर तेजधार हथियार से गला काट दिया। सूचना मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पीजीआई में रखवा दिया गया है। अभी यह सामने नहीं आ पाया है कि दोनों के बीच किस बात को लेकर झगड़ा हुआ। सांपला पुलिस ने शिकायत पर हत्या का केस दर्ज कर लिया है। मृतक की पहचान सांपला निवासी प्रदीप उर्फ बिट्टू (39) के रूप में हुई है। प्रदीप 3 बच्चों का पिता था। उसके 2 बेटी व एक ढाई महीने का बेटा है। वह खेती करता था।

रात को घर से गया, जेसीबी ड्राइवर ने सूचना दी

संदीप ने बताया कि मेरा बड़ा भाई प्रदीप रविवार रात को घर पर ही था। रात 9 बजे वह ताऊ के लड़के पवन से मिलने की बात कहकर चला गया। इसके आधे घंटे बाद उसके पास जेसीबी मशीन के ड्राइवर अनीत उर्फ आदित्य का फोन आया। उसने बताया कि पवन ने कहासुनी के बाद तेजधार हथियार से प्रदीप का गला काट दिया है।

अस्पताल में लेकर गए तो मृत घोषित किया: संदीप ने आगे बताया कि इसके बाद वे लोग मौके पर पहुंच गए। वे प्रदीप को लेकर प्राइवेट अस्पताल में गए। यहां से उसे दूसरे अस्पताल भेज दिया। दूसरे अस्पताल में पहुंचे तो डॉक्टरों ने प्रदीप को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद वे लोग प्रदीप को पीजीआई के ट्रॉमा सेंटर ले आए। फिर सांपला थाना पुलिस को सूचना दी गई।

पवन के साथ कोई दुश्मनी नहीं थी: संदीप ने बताया कि हमारी पवन के साथ कोई दुश्मनी नहीं थी। पवन के मन में ही खोट होगा। रात को पवन ने प्रदीप को फोन कर बस इतना कहा था कि मिलने आ जा। वहां क्या बात हुई, किस बात को लेकर झगड़ा हुआ, यह तो पवन ही बता सकता है।

एसएचओ बोले- केस दर्ज किया: सांपला थाने के एसएचओ बिजेंद्र कुमार ने बताया कि रात को उन्हें एक व्यक्ति की हत्या होने की सूचना मिली थी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने फोरेंसिक एक्सपर्ट डॉ. सरोज दहिया को मौके पर बुलाया। पुलिस ने पीड़ति परिवार की शिकायत पर केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पीएम मोदी से मिले सीएम नायब ...

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुलाकात की और प्रदेश के स्थिति के बार में जानकारी दी। इस मौके पर दोनों के बीच में कई मुद्दों पर चर्चा हुई। फोटो हरिभूमि

पंजाब के पूर्व डीजीपी के बेटे की मौत का मामला

पुलिस आयुक्त को शिकायत जांच की मांग, पूर्व डीजीपी की बढ़ेंगी मुश्किलें!

दवा की ओवरडोज दिया जाना बताया जा रहा था कारण

पंचकूला सामान्य अस्पताल में हुआ था पोस्टमार्टम

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के पूर्व डीजीपी के बेटे की संदिग्ध हालत में मौत को लेकर दवा की ओवरडोज बताया जा रहा था, लेकिन मृतक युवक की कुछ वक्त पहले वायरल वीडियो के लेकर सवाल खड़े करते हुए इस संबंध में सीपी पंचकूला को लिखित में शिकायत देकर जांच की मांग की गई है। वीडियों में मरने वाला उनका बेटा अपने पिता को पर गंभीर आरोप लगा रहा है। खास बात यह है कि पूरे मामले में पंजाब मलेरकोटला मुस्तफा परिवार के पड़ोसी शमशुद्दीन चौधरी ने पंचकूला पुलिस कमिश्नर सिबास कविराज को लिखित में शिकायत दी है। उन्होंने पंचकूला में रहने वाले पंजाब के पूर्व डीजीपी मोहम्मद मुस्तफा के बेटे अकील अख्तर की मौत की जांच की मांग की है।

संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

गत 16 अक्टूबर को पूर्व डीजीपी मोहम्मद मुस्तफा के बेटे अकील अख्तर की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत हुई थी। जिसको दवा की ओवरडोज का मामला बताया जा रहा था। मालेरकोटला निवासी शमशुद्दीन चौधरी ने सवाल खड़े करते हुए पुलिस कमिश्नर शिवास कविराज को शिकायत की है। पुलिस कमिश्नर ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। शमशुद्दीन ने शनिवार को 16 मिनट के एक पुराने वीडियो के आधार पर अकील की मौत के पीछे साजिश होने के आरोप लगाए।

शमशुद्दीन मुस्तफा परिवार के पड़ोसी

शमशुद्दीन चौधरी मालेरकोटला में मुस्तफा परिवार के पड़ोसी हैं और अकील को अच्छे से जानते थे। उन्होंने कहा अकील ने तीन महीने पहले वीडियो में जो बातें कही थीं अगर उन पर समय रहते कार्रवाई होती तो शायद आज वह जिंदा होता। अकील ने वीडियो में पिता मोहम्मद मुस्तफा पर आपत्तिजनक आरोप लगाए थे। अकील ने वीडियो में कहा था कि जबरन रिहैब सेंटर में रखा गया।

घर में बेसुध मिले

16 अक्तूबर की रात करीब 11 बजे अकील अपने एमडीसी सेक्टर-4 पंचकूला स्थित घर में बेसुध मिले। परिजन उन्हें तुरंत सेक्टर-6 नागरिक अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अगले दिन सुबह 10 बज पोस्ट मॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस अब विसरा रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि पहले भी अकील और उसके पिता के बीच विवाद की शिकायत कई बार पुलिस तक पहुंची थीं।

खरकड़ी झांवरी के स्पेशल स्कूल में दीपावली समारोह में दिव्यांग बच्चों ने दिखाया हुनर

दिव्यांग बच्चों ने अपनी एकाग्रता और कलात्मकता ने उपस्थित सभी का मोहा मन

दिव्यांग बच्चों को सामान्य जीवन जीने के लिए प्रेरित करते है कार्यक्रम : प्राचार्या ज्योति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

गांव खरकड़ी झांवरी स्थित चौ. अर्जुन सिंह स्पेशल स्कूल में दीपावली का पावन पर्व बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह समारोह इसलिए भी खास रहा, क्योंकि इसमें स्कूल के दिव्यांग बच्चों ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया और अपनी अद्भुत कलात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। स्कूल में आयोजित दीपावली समारोह का विधिवत आरंभ स्कूल के निदेशक महाबीर सिंह और प्राचार्या ज्योति के कुशल नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम में बच्चों ने दीपावली की थीम पर आधारित कई रचनात्मक गतिविधियों में भाग लिया। इस दौरान बच्चों ने अपने हाथों से खूबसूरत रंगों का इस्तेमाल कर मनमोहक रंगोलियां बनाईं, जिनमें प्रकाश पर्व की खुशबू साफ झलक रही थी। कई बच्चों ने दीपावली से संबंधित सुंदर पेंटिंग और हस्तनिर्मित कलाकृतियां बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसके अलावा बच्चों ने दीए सजाने और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी भाग लिया, जिसने पूरे माहौल को उत्साह से भर दिया। बच्चों ने जिस लगन और उत्साह के साथ इन गतिविधियों में हिस्सा लिया, वह देखने लायक था। उनकी एकाग्रता और कलात्मकता ने उपस्थित सभी लोगों का दिल जीत लिया।

दिव्यांग बच्चे किसी से कम नहीं

दिव्यांग बच्चों की इस शानदार प्रतिभा को देखकर स्कूल के निदेशक महाबीर सिंह और प्राचार्या ज्योति ने उनकी जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चे किसी से कम नहीं हैं। दीपावली के इस अवसर पर इन्होंने जो हुनर और उत्साह दिखाया है, वह काबिले तारीफ है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य इन बच्चों को सामान्य जीवन जीने के लिए प्रेरित करना और उनकी छिपी हुई प्रतिभा को निखारना है। इस प्रकार के समारोह दर्शाता है कि सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर ये बच्चे हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं।

ट्रैक्टर-ट्राली ने कुचला, पिता जादूगर हैं...

पंचकूला में हाईकोर्ट की महिला वकील की हादसे में मौत

पंचकूला। हरियाणा के पंचकूला में महिला वकील की ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से मौत हो गई। महिला वकील के पिता की शिकायत पर पिंजौर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर ट्रैक्टर-ट्रॉली को अपने कब्जे में लिया है। हादसे के बाद से ट्रैक्टर ड्राइवर फरार है। पंचकूला के पिंजौर निवासी अनिल कुमार ने बताया कि वह जादूगर का काम करता है। उसकी बेटी जेनिफर हाईकोर्ट मे बतौर वकील प्रैक्टिस करती थी। 18 अक्टूबर की शाम को वह धर्मपुर मेडिकल स्टोर से छोटी बहन नैंसी के लिए दवा लेने के लिए जा रही थी। जेनिफर के साथ मैं भी स्कूटी पर था। पीछे से ट्रैक्टर-ट्रॉली ड्राइवर ने टक्कर मार दी।

- मेडिकल स्टोर से छोटी बहन के लिए दवा लेने के लिए जा रही थी

गर्दन के ऊपर से निकला टायर

ट्रैक्टर ड्राइवर ने ट्राली का पिछला टायर जेनिफर के गर्दन से निकाल लिया। जिसमें जेनिफर बेहोश हो गई। उसे पिंजौर के सरकारी अस्पताल में लेकर गया, जहां पर उसकी मौत हो गई। जेनिफर अभी अविवाहित थी। सदमे के कारण मैं पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल नहीं पहुंच सका। एक दिन बाद मैं सामान्य हुआ तो पोस्टमॉर्टम करवाया है। पिंजौर थाना के जांच अधिकारी एएसआई रोशनलाल ने बताया कि पीड़ति पिता की शिकायत पर आरोपी ट्रैक्टर ट्रॉली ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। ड्राइवर अभी फरार है, जिसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

हिसार की टीना शर्मा केबीसी में दिखेंगी

उकलाना। हिसार जिले के उकलाना मंडी की प्रतिभाशाली बेटी टीना शर्मा ने अपने संघर्ष, मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर वह मुकाम हासिल किया है, जिसका सपना देश का हर युवा देखता है। टीना शर्मा, जोकि लोटस इंटरनेशनल स्कूल उकलाना की पूर्व अध्यापिका हैं और हाल ही में नोएडा में विवाह बंधन में बंधी हैं। अब वह देश के सबसे चर्चित टीवी शो "कौन बनेगा करोड़पति" (केबीसी) में अमिताभ बच्चन के सवालों के जवाब देती नजर आएंगी। कार्यक्रम का प्रसारण दीपावली के पावन अवसर पर 21 अक्टूबर की रात्रि 9 बजे सोनी टीवी पर किया जाएगा। इस विशेष एपिसोड में टीना शर्मा अपनी बुद्धिमत्ता और आत्मविश्वास से दर्शकों के दिल जीतने को तैयार हैं। टीना शर्मा ने बताया कि उनका सपना था कि वह कभी "कौन बनेगा करोड़पति" के मंच पर पहुंचें और महानायक अमिताभ बच्चन से आमने-सामने बातचीत करें। उनकी हिम्मत, लगन और निरंतर प्रयासों ने आखिरकार यह सपना साकार कर दिखाया। दीपों के पर्व दीपावली पर उनका यह विशेष एपिसोड उनके और पूरे क्षेत्र के लिए एक यादगार पल बनने जा रहा है।

डीजीपी ओपी सिंह ने मिस्ड कॉल से शुरू हुई नई सामाजिक मुहिम

- अज्ञात नंबर से आई मिस्ड कॉल पर प्रतिक्रिया दी और स्वयं फोन किया
- बातचीत में पता चला कि कॉल गलती से एक बच्चे द्वारा की गई थी

चंडीगढ़। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओपी सिंह ने हाल ही में एक ऐसा उदाहरण पेश किया है, जिसने पुलिस प्रशासन की पारंपरिक छवि को संवेदनशीलता और मानवीय जुड़ाव के नए रंग में रंग दिया है। देर रात एक अज्ञात नंबर से आई मिस्ड कॉल पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने स्वयं उस नंबर पर कॉल की और सामने वाले व्यक्ति की कुशलक्षेम पूछी।

बातचीत में पता चला कि कॉल गलती से एक छोटे बच्चे द्वारा की गई थी। लेकिन इस मामूली घटना को डीजीपी सिंह ने एक बड़े सामाजिक संदेश में बदल दिया। उन्होंने अवसर का लाभ उठाते हुए अभिभावकों से बच्चों के मोबाइल फ़ोन के अत्यधिक उपयोग और उससे जुड़ी मानसिक व शारीरिक हानियों पर चर्चा की। उन्होंने बच्चों के मस्तिष्क पर स्क्रीन टाइम के नकारात्मक प्रभावों को दर्शाने वाला एक महत्वपूर्ण वीडियो भी साझा किया। साथ ही, वीडियो का सरल हिंदी सारांश भेजकर यह सुनिश्चित किया कि समाज के हर वर्ग को यह जानकारी सहजता से समझ में आ सके।

अनाथालय, वृद्धाश्रम, झुग्गी-झोपड़ पट्टियां और बेघर लोग को बांटी मिठाइयां

अनाथालय, वृद्धाश्रम, झुग्गी-झोपड़ पट्टियां और बेघर लोग को बांटी मिठाइयां

हरियाणा पुलिस ने दी अनोखे अंदाज़ में दिवाली की सौगात, बांटी मुस्कान

पुलिसकर्मियों ने स्वयं बच्चों और बुज़ुर्गों के साथ दीप जलाए

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

कहाँ से लाऊँ वो जुगनू कि जो तिरे दर पर,जले तो सारा ज़माना कहे कि 'हाँ, दीवाली' इसी भावना को साकार करते हुए हरियाणा पुलिस ने इस बार त्योहार को लेकर लोगों की धारणा बदलने के लिए दिवाली कुछ अलग ढंग से मनाई। जहां आम लोग रोशनी, पटाखों और मिठाइयों में त्योहार मनाते हैं, वहीं हरियाणा पुलिस ने समाज के उन हिस्सों तक खुशियाँ पहुँचाने का बीड़ा उठाया जो अक्सर इस उजाले से दूर रह जाते हैं। अनाथालय, वृद्धाश्रम, झुग्गी-झोपड़ पट्टियाँ और बेघर लोग। हरियाणा पुलिस के अधिकारी इस दिवाली घरों में बैठकर उपहार नहीं ले रहे, बल्कि सड़कों, झोपड़पट्टियों और आश्रमों में जाकर उन चेहरों पर मुस्कान बाँट रहे हैं जिनके पास कोई नहीं। इस विशेष पहल के तहत राज्यभर के पुलिस अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में ऐसे स्थानों का चयन किया जहाँ मदद की सबसे अधिक आवश्यकता थी। पुलिसकर्मियों ने स्वयं बच्चों और बुज़ुर्गों के साथ दीप जलाए, मिठाइयाँ बाँटीं और उन्हें त्योहार की गर्माहट का अहसास कराया। यह दिवाली न केवल रोशनी की, बल्कि मानवीय संवेदना और साझी मुस्कान की बनी।

एसपी पलवल अनाथ बच्चों के साथ मनाई दीवाली

पलवल से एक प्रेरक उदाहरण सामने आया, जहां एसपी पलवल वरुण सिंगला ने अपने परिवार सहित अनाथ बच्चों और असहाय लोगों के साथ दिवाली मनाई। उन्होंने बच्चों के साथ दीये जलाए, गीत गाए और उनके बीच मिठाइयाँ वितरित कीं। इस अवसर पर श्री सिंगला ने कहा कि सच्ची दिवाली वही है जब हम किसी ज़रूरतमंद के जीवन में उजाला भर सकें। समाज के वंचित वर्गों के साथ खुशियाँ बाँटना ही इस पर्व का वास्तविक अर्थ है।

समाज की भावनाओं से जोड़ा

हरियाणा पुलिस की यह पहल उस सोच का प्रतीक है जो वर्दी को केवल अनुशासन और कानून तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उसे समाज की भावनाओं से जोड़ती है। कठिन ड्यूटी, सीमित अवकाश और निरंतर जिम्मेदारियों के बावजूद पुलिसकर्मियों ने अपने त्योहार का समय समाज के सबसे कमजोर तबके के नाम किया यह अपने आप में एक प्रेरक संदेश है।

अनाथालयों में खिलखिलाहटें, वृद्धाश्रमों में आँसूओं के बीच मुस्कान और झोपड़पट्टियों में दीयों की रोशनी

इस बार हरियाणा पुलिस ने यह साबित कर दिया कि जब सेवा ही धर्म बन जाए, तो हर दिन दिवाली बन जाता है। हरियाणा पुलिस की यह मानवीय पहल समाज को यह संदेश देती है कि पुलिस सिर्फ सुरक्षा की प्रतीक नहीं, बल्कि संवेदनाओं की भी प्रहरी है। जिस रोशनी को उन्होंने दूसरों के घरों में बाँटा, वही उनके दिलों में सबसे उजली दीवाली बन गई।

चांदी की चाल देख सोना भी 'शरमाया', इस साल 73% से अधिक रिटर्न

▶▶सोने की कीमतें 1,34,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर, चांदी की कीमतें 1,77,000 रुपये प्रति किलोग्राम, 2025 में अब तक चांदी ने 73% से अधिक और सोने ने 64% से अधिक का रिटर्न दिया, एक साल में सोने ने 33% से 35% और चांदी ने 40 से 45% का रिटर्न दिया, विश्लेषक बोले, चांदी में चमक बरकरार रहेगी, आने वाले समय में अच्छा रिटर्न देगी, धनतेरस पर चांदी में निवेश कर मुनाफा कमा सकते हैं

निवेश करने जा रहे हैं तो यह जान लें कि 8-4-3 इंवेस्टमेंट रूल म्यूचुअल फंड में एक लोकप्रिय स्ट्रैटेजी है। यह नियम इस बात पर आधारित है कि समय और चक्रवृद्धि ब्याज निवेश में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस रणनीति में यह अनुमान लगाया जाता है कि निवेश सालाना किस दर से बढ़ेगा। इससे कम्पाउंडिंग की ताकत को समझने में मदद मिलती है और निवेशक आसानी से अपना पैसा बढ़ा लेता है।

निवेश मंत्रा

विनोद कौशिक

इस साल सोना और चांदी लगातार अपनी चमक बिखेर रहे हैं। वहींए चांदी तो सोने से भी तेज रफ्तार भर रही है। चांदी ऐसी चाल चल रही है कि उसके सामने सोना भी शरमाने लगा है। कारोबारियों की लगातार मुनाफावसूली के कारण राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने की कीमतें 1,34,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमतें 1,77,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रही। दो दिन पहले इसने 1,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम का रिकॉर्ड छुआ था। देखा जाए जो 2025 में अब तक सोने चांदी ने 73% से अधिक और सोने ने 64 % से अधिक का रिटर्न दिया है। चांदी का प्रदर्शन सोने से बेहतर रहा है, जिसका मुख्य कारण औद्योगिक मांग और आपूर्ति में कमी है। चांदी गोल्ड से सस्ती और इंडस्ट्रियल डिमांड वाली मानी जाती है, इसलिए चांदी निवेश के लिए अच्छा ऑप्शन माना जाता है। यह निवेशकों के बीच लोकप्रिय बनकर उभर रही है। पिछले धनतेरस (2024) से इस धनतेरस (2025) तक, सोने ने करीब 33% से 35% का रिटर्न दिया है, जबकि चांदी ने करीब 40 से 45% का रिटर्न दिया है, जो इसे एक अच्छा निवेश विकल्प बनाता है। चांदी ने सोने और शेयर बाजार दोनों को पीछे छोड़ दिया है। विश्लेषकों का कहना है कि चांदी का यह प्रदर्शन लगातार जारी रहेगा। आने वाले समय में चांदी और अच्छा रिटर्न देगी। इसलिए इस धनतेरस पर चांदी में निवेश कर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

चांदी को न करें अनदेखा

अगर आप भी ऐसे इन्वेस्टमेंट की तलाश में हैं जो आपको आने वाले समय में शानदार रिटर्न दे सके? तो सोने की चमक के बीच चांदी को अनदेखा न करें। यह सफेद धातु आपको अमीर बनाने का एक बेहतरीन मौका दे सकती है। इस रिपोर्ट में हम चांदी में निवेश के उन बड़े फायदों को जानेंगे जो ज़्यादातर लोग नहीं जानते और समझते हैं। यह जानकारी आपको सही फैसला लेने में मदद करेगी और आपके पोर्टफोलियो को मज़बूत बनाएगी!

चांदी कहानी अलग

सोने का प्रयोग ज़्यादातर गहनों और इन्वेस्टमेंट के लिए होता है, लेकिन चांदी की कहानी थोड़ी अलग है। चांदी की करीब आधी मांग इंडस्ट्रीज से आती है। तो सोचिए, आपके स्मार्टफोन, सोलर पैनल, इलेक्ट्रिक वाहन, मेडिकल उपकरण और भी बहुत कुछ बनाने में चांदी का इस्तेमाल होता है। ऐसे में जैसे-जैसे दुनिया टेक्नोलॉजी की तरफ बढ़ रही है और ग्रीन एनर्जी पर ज़ोर दे रही है, चांदी की इंडस्ट्रीज मांग भी बढ़ती जा रही है।

ऐसे कर सकते हैं निवेश

▶▶**फिजिकल सिल्वर** : आप चांदी के सिक्के या बार (ईंटें) खरीद सकते हैं। इसे घर पर या लॉकर में सुरक्षित रखें।

▶▶**चांदी ईटीएफ** : अगर आप फिजिकल सिल्वर रखने के झंझट से बचना चाहते हैं, तो आप चांदी ईटीएफ में निवेश कर सकते हैं, ये इलेक्ट्रॉनिक रूप में होते हैं और इन्हें खरीदना-बेचना आसान होता है।

▶▶**चांदी फ्यूचर्स** : यह उन निवेशकों के लिए है जो ज़्यादा रिस्क लेकर ज़्यादा मुनाफा कमाना चाहते हैं। इसमें फ्यूचर की तारीख पर चांदी खरीदने या बेचने का समझौता होता है।

▶▶**चांदी खनन कंपनियों के शेयर** : आप उन कंपनियों के शेयर खरीद सकते हैं जो चांदी का खनन करती हैं। जब चांदी की कीमतें बढ़ती हैं, तो इन कंपनियों को भी फायदा होता है।

दिखता है उतार चढ़ाव भी

अक्सर जब सोने की कीमतें बढ़ती हैं, तो सिल्वर की कीमतें भी उसके पीछे-पीछे बढ़ती हैं। वैसे हालांकि, चांदी में सोने के मुकाबले ज़्यादा उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है, जिसका मतलब है कि इसमें तेज़ी से ज़्यादा मुनाफा कमाने की संभावना भी होती है। अपने निवेश पोर्टफोलियो में सोने के साथ चांदी को शामिल करने से आपका पोर्टफोलियो मज़बूत बनता है और जोखिम भी संतुलित रहता है।

जोखिम भी रहता है

▶▶चांदी की कीमतें सोने से 2-3 गुना उतार-चढ़ाव वाली।

▶▶इंडस्ट्रियल डिमांड कम हो तो गिरावट।

▶▶चांदी का वजन ज्यादा, स्टोरेज महंगा।

▶▶1 किलो चांदी सोने के 1/10 कीमत, लेकिन 10 गुना जगह।

▶▶सोने जितनी आसानी से नहीं बिकती। मार्केट छोटा।

▶▶शॉर्ट टर्म में नुकसान संभव। लॉन्ग टर्म (5-10 साल) के लिए बेस्ट।

▶▶फिजिकल सिल्वर पर जीएसटी 3%, मेकिंग चार्ज। ईटीएफ में कम।

▶▶फिजिकल: कॉइन्स/बार्स खरीदें

▶▶ईटीएफ : सिल्वर ईटीएफ (निप्पोन इंडिया) में निवेश, 0.5% एक्सपेंस रेशियो।

▶▶एमसीएक्स : फ्यूचर्स ट्रेडिंग, लेकिन रिस्की।

मिड कैप फंड कैटेगरी ने 5 साल में दिया 25.28% सालाना रिटर्न

- ■ कुछ खास स्कीमों का आगे भी रह सकता है ऐसा ही प्रदर्शन
- ■ मिड कैप फंड्स लार्ज कैप फंड्स की तुलना में ज्यादा रिस्की
- ■ स्मॉल कैप फंड्स के मुकाबले कम जोखिम भरा माने जातें हैं
- ■ रिटर्न भले ही आकर्षक हों, लेकिन मार्केट की उथल-पुथल का असर भी ज्यादा
- ■ इन्हें हाई रिटर्न के साथ ही हाई रिस्क निवेश भी कहा जा सकता है
- ■ इक्विटी में निवेश की वजह से इनके साथ मार्केट रिस्क हमेशा जुड़ा रहता है

फंड्स

बिजनेस डेस्क

मिड कैप म्यूचुअल फंड्स को आमतौर पर लंबी अवधि में ऊंचा रिटर्न देने की संभावना के लिए जाना जाता है। 6 अक्टूबर तक अपडेटेड ताजा आंकड़ों के मुताबिक इस कैटेगरी का पिछले 5 साल का औसत सालाना रिटर्न 25.28% रहा है, जो इस धारणा को सही साबित करता है। इतना ही नहीं, इस कैटेगरी की टॉप 5 स्कीम्स ने तो पिछले 5 साल में करीब 29% से 34 % तक सालाना रिटर्न दिया है। मिड कैप फंड्स को लार्ज कैप फंड्स की तुलना में ज्यादा रिस्की और स्मॉल कैप फंड्स के मुकाबले कम जोखिम भरा माना जाता है।

टॉप 5 मिड कैप फंड्स का पिछला प्रदर्शन

5 साल में बेस्ट रिटर्न देने वाले टॉप 5 मिड कैप फंड्स में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड और निप्पॉन इंडिया म्यूचुल फंड जैसे दिग्गज फंड हाउस की स्कीम शामिल हैं। इस रिपोर्ट में हमने इन टॉप 5 फंड्स के लंपसम और एसआईपी रिटर्न के साथ ही उनके एक्सपेंस रेशियो की जानकारी दी है।

1. मोतीलाल ओसवाल मिड कैप फंड-डायरेक्ट प्लान

▶▶5 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 33.92 %

▶▶एक्सपेंस रेशियो : 0.70 %

▶▶10 हजार मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 12,08,224

▶▶एन्युलाइज्ड रिटर्न : 28.44 %

2. एडेलवाइज मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

▶▶5 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 30.57 %

▶▶एक्सपेंस रेशियो : 0.38 %

▶▶10 हजार मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 11,11,550

▶▶एसआईपी पर एन्युलाइज्ड रिटर्न : 24.94 %

3. निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

▶▶5 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 29.87 %

▶▶एक्सपेंस रेशियो : 0.75 %

▶▶10 हजार मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 10,95,180 रुपये

▶▶एसआईपी पर एन्युलाइज्ड रिटर्न : 24.33 %

4. एचडीएफसी मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

▶▶5 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 29.68 %

▶▶एक्सपेंस रेशियो : 0.72%

▶▶10 हजार मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 10,98,796 रुपये

▶▶एसआईपी पर एन्युलाइज्ड रिटर्न : 24.46 %

5. इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

▶▶5 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 29.15 %

▶▶एक्सपेंस रेशियो : 0.54%

▶▶10000 मंथली एसआईपी की 5 साल में वैल्यू : 11,49,632 रुपये

▶▶एसआईपी पर एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.35%

हाई रिटर्न के साथ हाई रिस्क

मिड कैप फंड्स के ऊपर दिए गए रिटर्न भले ही बेहद आकर्षक दिख रहे हों, लेकिन इन पर मार्केट की उथल-पुथल का असर भी ज्यादा पड़ता है। इसीलिए इन्हें हाई रिटर्न के साथ ही हाई रिस्क निवेश भी कहा जा सकता है। इक्विटी में निवेश की वजह से इनके साथ मार्केट रिस्क हमेशा जुड़ा रहता है। यही वजह है कि रिस्कोमीटर पर इन्हें वेरी हाई रिस्क कैटेगरी में रखा जाता है।

मिड कैप फंड्स की निवेश रणनीति

सेबी के नियमों के मुताबिक मिड कैप फंड्स के लिए अपने पोर्टफोलियो का कम से कम 65 फीसदी हिस्सा मिड कैप स्टॉक्स में निवेश करना जरूरी है। मिड कैप स्टॉक्स का मतलब है उन कंपनियों के शेयर जो मार्केट कैप के लिहाज से बाजार में 101वें से 250वें पायदान पर मौजूद हैं। मिड कैप में देश की कई तेजी से बढ़ रही कंपनियां शामिल होती हैं, जो आगे चलकर टॉप 100 कंपनियों में शामिल होने की क्षमता रखती हैं। यही वजह है कि मिड कैप फंड्स में लंबी अवधि के दौरान हाई रिटर्न मिलने की संभावना रहती है।

मिड कैप फंड्स में निवेश किनके लिए सही

मिड कैप फंड्स उन निवेशकों के लिए सही ऑप्शन हो सकते हैं, जो इक्विटी में निवेश करके हाई रिटर्न हासिल करना चाहते हैं और इसके लिए ज्यादा रिस्क लेने को तैयार हैं। हालांकि इन्हें स्मॉल कैप फंड्स के मुकाबले कम रिस्की माना जाता है, फिर भी बाजार के उतार-चढ़ाव का इन पर काफी असर हो सकता है। मिड कैप फंड्स में उन्हीं निवेशकों को पैसे लगाने चाहिए।

सोने में निवेश के स्मार्ट तरीके जो आपको बना सकते हैं धनवान

●जटिल वित्तीय दुनिया में, सोने को केवल ज्वेलरी या सिक्कों तक सीमित न रखें ●इसे बेहतर प्लानिंग के साथ अपने निवेश के सफर में शामिल करने पर विचार करें ●गोल्ड फंड ऑफ फंड्स कामकाजी झंझटों को खत्म कर निवेश का आसान रास्ता दे रहे

धनतेरस और दिवाली के मौके पर सोना या चांदी खरीदना शुभ माना जाता है। बहुत से लोग इसमें ट्रेडिशन के तौर पैसे लगाते हैं, लेकिन बहुत से लोग इन्वेस्टमेंट के लिहाज से भी सोना खरीदते हैं। दशकों से, ज्वेलरी के रूप में सोना भारतीय परिवारों का एक अटूट हिस्सा रहा है। यह सांस्कृतिक प्रतीक होने के साथ-साथ अनिश्चितता से सुरक्षा का जरिया भी है, लेकिन अब सोने की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर हैं और यह 1.28 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार हैं। इस वजह से थोक प्रीमियम, मेकिंग चार्ज और मूल्यों में अस्थिरता अब सामान्य समय की तुलना में ज्यादा जोखिम बन गए हैं। इसके अलावा फिजिकल गोल्ड के साथ एक व्यावहारिक चुनौती भी जुड़ी हुई है, क्योंकि इसे (गहने, बिस्किट आदि) रखने के लिए सुरक्षित स्टोरेज की जरूरत होती है। इसे अक्सर लॉकरों में या घरों में रखना पड़ता है, जिससे यह चोरी के जोखिम और इंश्योरेंस जैसे अतिरिक्त खर्चों के दायरे में आ जाता है। इसलिए आज की जटिल वित्तीय दुनिया में, हमें सोने को केवल ज्वेलरी या सिक्कों तक सीमित न रखकर, अपने निवेश सफर में कैसे शामिल करें, इस पर दोबारा सोचने की जरूरत है।

सुझाव

बिजनेस डेस्क

गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड ईटीएफ एफओएफ

बाजार के जानकारों और विश्लेषकों का कहना है कि कि जो निवेशक कम लागत, सुविधापूर्ण और आसानी से खरीदा-बेचा जा सकने वाला (लिक्विड) गोल्ड खरीदना चाहते हैं, उनके लिए गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (गोल्ड ईटीएफ) और गोल्ड ईटीएफ फंड ऑफ फंड्स जैसे आधुनिक विकल्प, बेहतर तरीके पेश करते हैं।

1. **गोल्ड ईटीएफ** : ये शेयर बाजार में ट्रेड होते हैं और सोने की कीमतों को बारीकी से ट्रैक करते हैं। इनमें निवेश के लिए आपको केवल डिमैट अकाउंट की जरूरत होती है (यूनिट्स रखने के लिए) और ट्रेडिंग अकाउंट की रूरत होती है (खरीदने-बेचने के लिए)।
2. **गोल्ड ईटीएफ फंड ऑफ फंड्स** : जिन रिटेल निवेशकों के पास डिमैट और ट्रेडिंग अकाउंट नहीं है, उनके लिए यह विकल्प बहुत अच्छा है। आप इनमें एसआईपी, एसटीपी या एकमुश्त (लम्प सम) तरीके से भी निवेश कर सकते हैं।

इन डिजिटल तरीकों के फायदे

परिचालन में आसानी : गोल्ड फंड ऑफ फंड्स कामकाजी झंझटों को खत्म करते हैं और सोने में निवेश का एक आसान रास्ता देते हैं।

झंझट खत्म : आपको प्योरिटी, मेकिंग चार्ज या सुरक्षित स्टोरेज की चिंता करने की जरूरत नहीं है।

आसान और पारदर्शी : इन डिजिटल माध्यम से, आप आसान, पारदर्शी और कम लागत वाले तरीके से सोना खरीद सकते हैं, जिसमें आपको सोने को फिजिकल रूप से रखने और उसकी सुरक्षा करने की कोई जरूरत नहीं होती है।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड्स

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड्स (एसजीबी) भारत सरकार द्वारा जारी किए जाते हैं और ये सोने के ग्राम में मान्य होते हैं। इनसे मिलने वाला रिटर्न सोने की कीमत से जुड़ा होता है, साथ ही बॉन्ड की अवधि में लगभग 2.5% सालाना स्थिर ब्याज भी मिलता है। एसजीबी के फायदे : यह डिजिटल फार्म में होता है तो रख रखाव का झंझट नहीं होता। साथ ही मेकिंग चार्ज की दिक्कत भी नहीं होती, स्टोरेज कास्ट भी नहीं। प्राइस अप्रेसिएशन के साथ सालाना 2.5 फीसदी ब्याज भी मिलता है। मैच्योरिटी पर सोने की मौजूदा कीमत के हिसाब से कैश मिलता है। सेकेंडरी मार्केट में लिक्विडिटी अच्छी है। सोने के मूल्य पर कैपिटल गेंस टैक्स नहीं लगता, केवल ब्याज पर टैक्स लगता है।

डिजिटल गोल्ड

आजकल कई फिनटेक ऐप्स और ज्वैलर-बैक्ड स्कीम्स आपको छोटे-मोटे निवेश में भी सोना खरीदने की सुविधा देती हैं। यह डिजिट वॉलेट में रखा जाता है। आपके पास डिजिटल रूप में सोना होता है, जो वॉल्ट में रखे गए भौतिक सोने से समर्थित होता है। इसमें निवेश की शुरुआत आसान है, आप 1 ग्राम भी सोना तुरंत खरीद सकते हैं। कुछ प्लेटफॉर्म पर इसे फिजिकल गोल्ड में बदला जा सकता है या गोल्ड ईटीएफ में परिवर्तित किया जा सकता है. इसमें कोई हैंडलिंग या स्टोरेज शुल्क नहीं लगता। हालांकि डिजिटल गोल्ड पर रेगुलेटर यानी आरबीआई या सेबी का कंट्रोल नहीं होता, यह निवेश का एक अनरेगुलेटेड तरीका है।

सिक्के और ज्वेलरी

इसे फिजिकल फॉर्म में खरीदा जाता है। यह आपके सामने होता है, जिसे देख और टच कर सकते हैं. इसमें लिक्विडिटी हाई है, इसे ज्वैलर्स या बुलियन डीलर्स को बेच सकते हैं। हालांकि इस पर मेकिंग चार्ज के रूप में ज्वेलर 5% से 20% तक चार्ज कर सकते हैं, जो बेचते समय आपको नुकसान पहुंचाता है। इसे सुरक्षित रखने का टेंशन होता है, क्योंकि चोरी का डर रहता है. प्योरिटी का रिस्क है, इसलिए हमेशा विश्वसनीय ज्वेलर से हॉलमार्क सोना ही खरीदें।

चमक गोल्ड ईटीएफ में 3 साल और 5 साल का रिटर्न भी बेहद मजबूत रहा, अब लोग मुनाफे के लिए गोल्ड में लगा रहे पैसा और हो रहे मालामाल

सोना इस समय 1,30,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार ट्रेड कर रहा

गोल्ड ईटीएफ में कमाया मुनाफा, जान लें टैक्स का गणित, 1 साल में 50% व 5 साल में 215% से ज्यादा रिटर्न दिया

समझदारी

बिजनेस डेस्क

सोना निवेशकों के लिए लगातार गोल्डन डील साबित हुआ है। इस साल सोने में 45 फीसदी और 1 साल में 56 फीसदी से ज्यादा रिटर्न मिला है। सोने में 5 साल का रिटर्न 215 फीसदी से ज्यादा रहा है। सोना 1,34,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार ट्रेड कर रहा है, जबकि पिछली दिवाली पर इसकी कीमतें 79,000 रुपये से नीचे थीं। सोने में तेजी का एक और असर यह है कि हर गोल्ड ईटीएफ या गोल्ड फंड ने 1 साल में 50 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। गोल्ड ईटीएफ में 3 साल और 5 साल का रिटर्न भी बेहद मजबूत है। सोना खरीदकार आपने मुनाफा तो जमकर कमा लिया, लेकिन क्या इस पर लगने वाले टैक्स के बारे में जानकारी है। क्या आप जानते हैं कि आपको गोल्ड में कमाए हुए रिटर्न पर कितना टैक्स देना है।

ईटीएफ में टैक्स के ये नियम

गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ को अब नॉन-इक्विटी कैपिटल एसेट माना जाता है। अगर आप गोल्ड ईटीएफ को 12 महीने से ज्यादा रखते हैं, तो मुनाफा लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) माना जाएगा और इस पर 12.5% की एकसमान टैक्स दर लगेगा, बिना इंडेक्सेशन अगर इसे 12 महीने या उससे कम समय तक रखते हैं, तो मुनाफा शॉर्ट-टर्म गेन (एसटीसीजी) माना जाएगा और आपकी इनकम के हिसाब से स्लैब रेट पर टैक्स देना होगा, जो हाई इनकम वालों के लिए 30% तक हो सकता है। पहले लॉन्ग-टर्म गेन के लिए 36 महीने तक होल्ड करना पड़ता था और इंडेक्सेशन का फायदा मिलता था, जिससे महंगाई के हिसाब से मुनाफे को एडजस्ट कर टैक्स कम करना संभव था। अब ये फायदा खत्म हो गया है, यानी अब निवेशकों को महंगाई से बढ़े मुनाफे पर भी टैक्स देना होगा। लॉन्ग-टर्म होल्डिंग पर 12.5% की एकसमान टैक्स दर है। मान लिया कि आपको 20,000 रुपये का मुनाफा पर 2,500 रुपये टैक्स बनेगा, यानी आपको 17,500 रुपये मिलेंगे। शॉर्ट-टर्म होल्डिंग की बात करें तो मुनाफे पर स्लैब रेट से टैक्स लगता है। अगर आपको 20,000 रुपये का मुनाफा हुआ और टैक्स रेट 30% है, तो 6,000 रुपये टैक्स देना होगा। यानी आपको 14,000 रुपये ही मिलेंगे।

फिजिकल गोल्ड पर टैक्स

भारत में फिजिकल गोल्ड (ज्वेलरी, सोने का सिक्का, सोने का बिस्कुट) सोने में निवेश का सबसे पॉपुलर विकल्प हैं। 36 महीने या उससे अधिक समय तक रखे गए सोने से मिलने वाले रिटर्न को लांग टर्म कैपिटल गेंस कहा जाता है। भारत के इनकम टैक्स एक्ट के अनुसार, आपको सोना बेचते समय लांग टर्म कैपिटल गेंस (एलटीसीजी) पर 20 फीसदी टैक्स और 4 फीसदी सेस देना होगा। इस तरह से फिजिकल गोल्ड पर लगने वाला टैक्स 20.8 फीसदी है। इस अवधि से कम समय के लिए रखे गए सोने से मिलने वाले रिटर्न को शॉर्ट टर्म कैपिटल गेंस कहा जाता है। एसटीसीजी के मामले में, टैक्स आपकी इनकम टैक्स स्लैब के आधार पर लगाया जाता है।

डिजिटल गोल्ड पर टैक्स

इसे आप ऑनलाइन भी खरीद सकते हैं, यह डिजिट वॉलेट में रखा जाता है। डिजिटल गोल्ड पर रेगुलेटर यानी आरबीआई या सेबी का कंट्रोल नहीं होता, यह निवेश का एक अनरेगुलेटेड तरीका है। अगर आप डिजिटल गोल्ड 36 महीने या उससे अधिक समय तक रखते हैं, तो उस पर होने वाले मुनाफे को लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) माना जाता है। अगर गोल्ड 36 महीने से कम समय तक रखा जाता है, तो मुनाफे को शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन (एसटीसीजी) कहा जाता है। डिजिटल गोल्ड की बिक्री पर 20.8% टैक्स (एलटीसीजी) लगता है, जो फिजिकल गोल्ड और पेपर गोल्ड की तरह ही है। अगर यह शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन (एसटीसीजी) है, तो टैक्स आपकी आयकर स्लैब के अनुसार लगता है।

गोल्ड गिफ्ट पर टैक्स

इनकम टैक्स एक्ट की धारा 56(2) के अनुसार, माता-पिता, पति-पत्नी या बच्चों को सोने की ज्वेलरी गिफ्ट में देने पर इनकम टैक्स नहीं लगता है। दूसरी ओर, अगर आप रिश्तेदारों के अलावा किसी अन्य व्यक्ति से 50,000 रुपये से अधिक वैल्यू का सोना गिफ्ट पाते हैं तो टैक्स देना होता है। ऐसी इनकम टैक्सेबल है क्योंकि इसे अन्य सोर्स से होने वाली इनकम माना जाता है। आप अपनी शादी में मिले सोने के गहनों पर भी टैक्स छूट पा सकते हैं, लेकिन अगर आप इन गिफ्ट को बेचना चाहते हैं तो सरकार कैपिटल गेंस की दर के अनुसार टैक्स लगाएगी।

एनआरआई के लिए टैक्स

इनकम टैक्स एक्ट के अनुसार, एनआरआई फिजिकल गोल्ड, डिजिटल गोल्ड, पेपर गोल्ड आदि में निवेश कर सकते हैं। हालांकि, आरबीआई और फेमा नियमों के अनुसार, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश नहीं कर सकते हैं। हालांकि सोने की बिक्री पर एनआरआई के लिए लागू टैक्स दर भारतीय निवासियों के समान है, लेकिन उन्हें गोल्ड ईटीएफ या म्यूचुअल फंड के रिडेम्पशन पर टीडीएस का भुगतान करना होगा।

पेपर गोल्ड पर इनकम टैक्स

पेपर गोल्ड में गोल्ड म्यूचुअल फंड, ईटीएफ, सॉवरेन बॉन्ड आदि शामिल हैं। अगर आप 12 महीने बाद यूनिट बेचकर इनकम हासिल करते हैं तो यह लांग टर्म कैपिटल गेंस (एलटीसीजी) होता है और इस पर 12.5 फीसदी टैक्स देना पड़ता है। वहीं, 3 साल से कम समय तक रखे गए पेपर गोल्ड से मिलने वाले रिटर्न को शॉर्ट टर्म कैपिटल गेंस कहा जाता है। एसटीसीजी के मामले में, टैक्स आपकी इनकम टैक्स स्लैब के आधार पर लगाया जाता है।

स्टॉक को थम्स मिला अप

रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर अच्छे नतीजों के बाद 3.5% भागे

दोपहर के समय 52.20 रुपये यानी 3.68 फीसद की बढ़त के साथ 1468 रुपये के आसपास रही शेयर की कीमत। नोमुरा, मॉर्गन स्टेनली, कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज में दिखा मजबूत प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶| मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों में सोमवार को इंट्राडें में 3.5 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई। कंपनी को सितंबर तिमाही के मजबूत आंकड़ों (वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही) से सपोर्ट मिला है। दूसरी तिमाही के अच्छे नतीजों के बाद ब्रोकरेज से भी स्टॉक को थम्स अप मिला है। फिलहाल ये शेयर 1.45 बजे दोपहर के आसपास 52.20 रुपये यानी 3.68 फीसद की बढ़त के साथ 1468 रुपये के आसपास दिख रहा है। नोमुरा, मॉर्गन स्टेनली, कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज, जेपी मॉर्गन और मैक्वेरी जैसे कई ब्रोकरेज फर्मों कंपनी के रिटेल कारोबार के मजबूत प्रदर्शन, ऑयल और केमिकल सेगमेंट की अच्छी आय और जियो के टैरिफ में बढ़त और न्यू एनर्जी कारोबार से मिलने वाले आगामी ट्रिगर्स को ध्यान में रखते हुए दूसरी तिमाही के नतीजों के बाद रिलायंस के ग्रोथ आउटलुक को लेकर बुलिश हैं।

ऑयल और केमिकल सेगमेंट की अच्छी आय और जियो के टैरिफ में बढ़त और न्यू एनर्जी कारोबार से मिलने वाले आगामी ट्रिगर्स को ध्यान में रखते हुए दूसरी तिमाही के नतीजों के बाद रिलायंस के ग्रोथ आउटलुक को लेकर बुलिश हैं।

डिजिटल कारोबार में अच्छी ग्रोथ

वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में कंपनी का मुनाफा पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 14.3 फीसदी बढ़कर 22,092 करोड़ रुपये पर रहा है। इसकी मुख्य वजह ऑयल-टू-केमिकल , रिटेल और डिजिटल कारोबार में हुई अच्छी ग्रोथ रही है। इस तिमाही के दौरान कंपनी का कैपेक्स 40,000 करोड़ रुपये रहा और नेट डेट सपाट रहा। बाजार जानकारों का मानना है कि रिटेल सेक्ट में हुए सुधार और टेलीकॉम सेगमेंट से लगातार हो रहे मुनाफे के कारण कंपनी के सभी अहम सेक्टरों का प्रदर्शन संतुलित रहा है।

रिलायंस पर नोमुरा की राय

नोमुरा ने रिलायंस के शेयर को 1,700 रुपये प्रति शेयर के लक्ष्य के साथ खरीदने की सलाह दी है। ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि दूसरी तिमाही में रिटेल सेक्टर में अच्छी बढ़त के चलते कंपनी ने वित्त वर्ष 26 और वित्त वर्ष 27 के लिए अपने अबिटडा अनुमान 4 प्रतिशत और 12 प्रतिशत बढ़ा दिए हैं। ब्रोकरेज फर्म ने आरआईएल के अगले विकास चरण के लिए तीन प्रमुख कारकों की पहचान की है।

कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की राय

कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने 1,600 रुपये के लक्ष्य के साथ रिलायंस को एड कॉल दी है। ब्रोरेज का कहना है कि कंपनी का रिटल और ओवरऑल अबिटडा दोनों अनुमानों से बेहतर रहे हैं। ब्रोकरेज का कहना है कि रिटेल, टेलीकॉम और डिजिटल कारोबार मजबूत बने हुए हैं।

खबर संक्षेप

एचडीएफसी बैंक का दूसरी तिमाही में मुनाफा 11% बढ़ा

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी ने दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर 2026) में कुल 91,041 करोड़ की कमाई की है। इस कमाई में से बैंक ने 63,117 करोड़ रुपये कर्मचारियों की सैलरी, बिजली बिल, डिपॉजिट जैसे कामों में खर्च किए। इसके बाद बैंक के पास 18,641 करोड़ रुपए मुनाफा के रूप में बचा। एक साल पहले की समान अवधि में बैंक को 16,821 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। सालाना आधार यह 11% बढ़ा है। जब कोई व्यक्ति या संस्था किसी बैंक से लोन लेकर उसे वापस नहीं करती, तो उसे बैड लोन या नॉन परफॉर्मिंग एसेट या एनपीए कहा जाता है। यानी इन लोन्स की रिकवरी की उम्मीद काफी कम होती है।

इंडिगो ने 30 नए ए350-900 विमानों का ऑर्डर दिया

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने एयरबस को 30 और ए350-900 विमानों का ऑर्डर दिया है। नए ऑर्डर के साथ ही कंपनी की कुल वाइड-बॉडी विमानों की ऑर्डर संख्या बढ़कर 60 हो गई है। इंडिगो का एयरबस को यह ऑर्डर नया नहीं है। कंपनी ने 70 एयरबस ए350-900 एयरक्राफ्ट्स के लिए परचेज राइट्स किए थे, उसी में से 30 को ऑर्डर्स में बदला गया है। इंडिगो ने पहली बार 30 एयरबस ए3500900 जहाजों के लिए अप्रैल 2024 में ऑर्डर प्लेस किया था।

एनसो ग्रुप ने बोरिस बेकर को बनाया ब्रांड एम्बैसडर

नई दिल्ली। प्रमुख हीरा व्यापार कंपनी तथा ऊर्जा एवं खनन समूह एनसो ग्रुप ने रविवार को पूर्व टेनिस खिलाड़ी बोरिस बेकर को अपनी प्रौद्योगिकी इकाई एनसो वेबवर्क्स का ब्रांड एम्बैसडर नियुक्त करने की घोषणा की।

एनसो ग्रुप ने बयान में कहा कि यह नियुक्ति डिजिटल मंचों और पेशेवर नेटवर्कों पर बेकर के ब्रांड को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक कदम है। कंपनी ने कहा, ''सबसे कम उम्र के विंबलडन चैंपियन के रूप में इतिहास में स्थान बनाने से लेकर एक उद्यमी और परोपकारी व्यक्ति के रूप में खुद को पुनः स्थापित करने तक, बेकर की यात्रा अनुशासन, साहस और दूरदर्शिता का प्रतीक है।

50,000 रुपये के बजट में पांच स्मार्टफोन का ऑफर

नई दिल्ली। अगर आप दिवाली पर नया स्मार्टफोन लेने का प्लान बना रहे हैं और बजट 50 हजार रुपए है तो आप तो एपल, सैमसंग, गूगल जैसे ब्रांड्स के प्रीमियम फोन खरीद सकते हैं। इस रेंज के स्मार्टफोन्स में प्रीमियम लुक, फास्ट प्रोसेसर, बड़ी बैटरी, बेहतर कैमेरा, बड़ी डिस्प्ले और एआई असिस्टेंस जैसे फीचर्स मिल जाएंगे। इनमें आईफोन 15, कीमत 49,999 रुपए, सैमसंग गैलेक्सी एस 24, कीमत 39,999, गूगल पिक्सल 9ए, कीमत 42,000 रुपए, ओप्पो रेनो 14 प्रो.. कीमत 48,999 रुपये और मोटोरोला एज 50 अल्ट्रा, कीमत 42,999 शामिल हैं।

सोने का वायदा भाव 982 रुपये बढ़कर 1,27,990 रुपये प्रति 10 ग्राम

दिवाली पर सुरक्षित निवेश की मांग से लौटी सोने-चांदी की चमक

सोने का फरवरी 2026 अनुबंध भी 1,680 रुपये या 1.31 प्रतिशत बढ़कर 1,29,743 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया।

भाषा ▶▶| नई दिल्ली

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग और रिकॉर्ड ऊंचाई से कुछ गिरावट के बाद मूल्य आधारित खरीदारी की के चलते घरेलू वायदा बाजार में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी लौट आई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाले सोने का वायदा भाव 982 रुपये या 0.77 प्रतिशत बढ़कर 1,27,990 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसमें 14,913 लॉट के लिए कारोबार हुआ। शुक्रवार को सोना 1,32,294 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था, हालांकि बाद में इसमें गिरावट हुई और यह 1,27,008 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ। सोने का फरवरी 2026 अनुबंध भी 1,680 रुपये या 1.31 प्रतिशत बढ़कर 1,29,743 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया।

चांदी वायदा में भी सुधार, 1,522 बढ़कर 1,58,126 रुपये प्रति किलो

यह बोली ब्रोकरेज फर्म

ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि चांदी के बाजार में मजबूत स्ट्रक्चरल बदलाव देखने को मिल रहा है, जो इसे पिछले तेजी के दौर (1980 और 2011) से अलग बनाता है। रिपोर्ट में कहा गया, "चांदी की औद्योगिक मांग मजबूत बनी हुई है, और सप्लाई की सीमाएं इस बात का संकेत हैं कि लंबे समय में इसकी कीमतें ऊंची बनी रह सकती हैं। इंडस्ट्रीज में खपत को नियंत्रित रखने और उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए ऊंचे दाम आवश्यक होंगे।" एनालिस्ट्स का यह भी कहना है कि चांदी की अस्थिरता इसे सोने की तुलना में लगभग 1.7 गुना तेजी से ऊपर-नीचे करती है।

चांदी का यह हाल

चांदी वायदा में भी सुधार हुआ। दिसंबर डिलीवरी के लिए यह 1,522 रुपये या 0.97 प्रतिशत बढ़कर 1,58,126 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। इसमें 23,985 लॉट के लिए कारोबार हुआ। एमसीएक्स पर चांदी 1,70,415 रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर थी। विश्लेषकों ने कहा कि बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक व्यापार संबंधी अनिश्चितताओं और अमेरिका में लंबे समय तक 'शटडाउन' (सरकार के ज्यादातर कामकाज पर रोक) रहने की चिंताओं के बीच सुरक्षित निवेश की मांग मजबूत बनी हुई है।

यह बोले एक्सपर्ट

रिलायंस सिक्योरिटीज के सीनियर रिसर्च एनालिस्ट जिगर त्रिवेदी ने कहा, शुक्रवार को भारी गिरावट के बाद सोमवार को सोने की कीमतें बढ़कर 4,255 डॉलर प्रति औंस हो गईं। निवेशक अमेरिका और चीन के बीच आगामी वार्ता पर कड़ी नजर रख रहे हैं। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और चीनी उप प्रधानमंत्री ही लिफेंग इस सप्ताह मुलाकात करने वाले हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले सप्ताह आशा व्यक्त की थी कि वार्ता से समझौता हो सकता है, लेकिन उन्होंने हाई टैरिफ की धमकी को अस्थिर बताया था।

क्या इस समय सोने में निवेश करना सही

कुछ विशेषज्ञ खरीदारी शुरू करने से पहले सोने की कीमतों में कुछ गिरावट का इंतजार करने की सलाह देते हैं। एसएमसी ग्लोबल में कमोडिटी रिसर्च हेड वंदना भारती ने कहा, कीमतों के सामान्य होने का इंतज़ार करना उचित है। चांदी में 85 प्रतिशत और सोने में 70 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी के बाद, सोने में 1,18,000-1,20,000 और चांदी में 1,40,000 का स्तर खरीदारी के लिए अच्छा है।

पिछले सत्र में सोने में भारी गिरावट आई

पिछले सत्र में सोने की कीमतों में भारी गिरावट आई। एमसीएक्स गोल्ड के दिसंबर वायदा अनुबंध 2 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,27,320 प्रति 10 ग्राम पर बंद हुए, जबकि अमेरिकी सोना वायदा 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 4,213.30 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस पर बंद हुआ था। बढ़ती वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितताओं, केंद्रीय बैंकों की मजबूत खरीदारी, अमेरिकी फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड में भारी निवेश के कारण घरेलू हाजिर बाजार में सोने की कीमतों में 70 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है।

17.57 करोड़ शेयरों का ओएफएस शामिल

जल्द ही खुलने वाला है मीशो का 4,250 करोड़ का आईपीओ

नई दिल्ली। वेल्यू-फोकस्ड ई-कॉमर्स दिग्गज मीशो भारतीय स्टार्टअप जगत की सबसे बड़ी लिस्टिंग में से एक के लिए कमर कस रहा है। प्रस्तावित आईपीओ में 4,250 करोड़ का एक फ्रेश इश्यू और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 17.57 करोड़ शेयरों का ओएफएस शामिल है। इस आईपीओ के लिए कोटक, जे.पी. मॉर्गन, मॉर्गन स्टेनली, एक्सिस कैपिटल और सिटी को लीड मैनेजर है।

ओएफएस के तहत एलीवेशन कैपिटल सबसे बड़ा हिस्सा लगभग 5.54 करोड़ शेयर बेच रहा है। इसके बाद पीक एक्सवी पार्टनर्स 3.05 करोड़ शेयर, वेंचर हाईवे 1.57 करोड़ शेयर, वाई कॉम्बिनेटर कंटिन्यूटी 1.26 करोड़ शेयर और गोल्डन समिट लिमिटेड 80 लाख शेयर बेच रहे है। कंपनी एक फाउंडर विदित आत्रे (सीईओ) और संजीव कुमार (सीटीओ) ने भी ओएफएस में हिस्सा लिया है, जिनमें से प्रत्येक 1.18 करोड़ शेयर बेच रहा है।

कैसी है कंपनी की वित्तीय सेहत

मीशो की टॉप लाइन तेजी से बढ़ रही है, जो मुख्य रूप से इसके कोर मार्केटप्लेस सेगमेंट से प्रेरित है। कंपनी का राजस्व फाइनेंशल ईयर 25 में 9,389.9 करोड़ रहा, जो फाइनेंशल ईयर 24 से 23% और फाइनेंशल ईयर 23 से 64% अधिक है। फाइनेंशल ईयर 25 में कंपनी का शुद्ध घाटा 3,941.7 करोड़ रहा। हालांकि, मार्केटप्लेस के लिए इसका एबिटडा घाटा तेजी से कम हुआ है। कंट्रीब्यूशन मार्जिन फाइनेंशल ईयर 23 में 5,658 करोड़ से बढ़कर फाइनेंशल ईयर 25 में 14,836 करोड़ हो गया। ऑर्डरों की संख्या में 33% सीएआरजी की वृद्धि हुई। प्रति ऑर्डर लागत फाइनेंशल ईयर 23 में 50.45 से घटकर फाइनेंशल ईयर 25 में 43.08 हो गई। 5,700 करोड़ से अधिक की नकदी और निवेश, और शून्य ऋण के साथ, मिशू एक मजबूत बैलेंस शीट के साथ आईपीओ ला रहा है।

आईपीओ के पैसों का क्या होगा

मीशो नए इश्यू से जुटाए जाने वाले 4,250 करोड़ के एक महत्वपूर्ण हिस्से का उपयोग अपनी विकास रणनीति को गति देने के लिए करेगी। 1,390 करोड़ क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए, और 480 करोड़ शीर्ष इंजीनियरिंग और एआई टैलेंट को नियुक्त करने पर खर्च किए जाएंगे। 1,020 करोड़ रुपये मार्केटिंग और ब्रांड निर्माण प्रयासों के लिए रिजर्व है।

मॉर्गन स्टैनली के मैनेजिंग डायरेक्टर देसाई का दावा

हमारा मार्केट दूसरे देशों को पीछे छोड़ेगा, भारत पर बुलिश नजरिए के अलावा कोई विकल्प नहीं

शेयर मार्केट नया रिकॉर्ड बना रहा, जीएसटी कम होने से बाजार को मिल रहा बढ़ावा

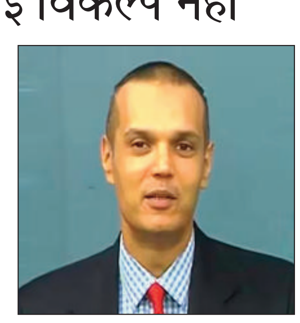

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय बाजार ने पिछले एक साल से ज्यादा वक्त से अंडरपरफॉर्म किया है। लेकिन दिवाली से कुछ पहले ही बाजार ने रफ्तार पकड़ ली है। बैंक निफ्टी नया हाई लगा चुका है। निफ्टी भी नए शिखर की ओर बढ़ रहा है। कंपनियों के नतीजे बेहतर होने लगे हैं। जीएसटी कटौती और ब्याज दरों के नीचे आने से कंजम्पशन को पुश मिला है। ऐसे में क्या भारतीय बाजारों के लिए गुड लक सिनारियो बन रहा है। ऐसे में अब किन थीम पर फोकस करना चाहिए? इस पर दिवाली सेलिब्रेशन और मार्केट की मेगा ट्रेंड पर चर्चा करते हुए मॉर्गन स्टैनली के मैनेजिंग डायरेक्टर रिधम देसाई ने कहा कि सेंट्रल बैंक का फोकस ग्रोथ बढ़ाने पर है। आरबीआई के कदमों से एक साल में 12-13 फीसदी लोन ग्रोथ संभव है।

आगे बैंक व कंज्यूमर शेयरों में तेजी बढ़ेगी

उन्होंने आगे कहा कि घरेलू निवेशकों की बाजार में रुचि लगातार बढ़ रही है। टूरिस्ट मनी को अब एआई ट्रेड करना है, जो कि भारत में नहीं है। पिछले 1 साल से दुनिया में एआई ट्रेडिंग का चलन बढ़ा है। हमें एआई के रोजमर्रा के इस्तेमाल मॉडल पर काम करना चाहिए। भारत पर जीडीपी का 75% तक कर्ज है। उन्होंने आगे कहा कि अब लार्जकैप और मिडकैप सब साथ में चलेंगे। शॉर्ट-कवरिंग का फायदा लार्जकैप को मिलेगा। आगे बैंक और कंज्यूमर शेयरों में तेजी बढ़ेगी।

बाजार की तेजी को लीड कर सकते हैं बैंक

उन्होंने आगे कहा कि कंपनियों के नतीजों में 15-20 फीसदी की ग्रोथ संभव है। बाजार की तेजी को बैंक लीड कर सकते हैं। बैंकों के वैल्युएशन सस्ते हैं। आरबीआई एक-दो रेट कर सकता है। अगले एक साल में बैंकों नतीजे अच्छे होंगे। आरबीआई एक-दो बार और रेट कट कर सकता है। आरबीआई से दरों में कटौती और जीएसटी घटने से बाजार के लिए मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। नॉमिनल ग्रोथ बढ़ेगी तो भी अर्निंग में तेज ग्रोथ देखने को मिल सकती है। डबल रेट कट और सीआरआर घटाने जैसी बात पिछले 25 साल में सिर्फ 2 बार देखने को मिली है।

चीन की अर्थव्यवस्था जुलाई-सितंबर में 4.8 प्रतिशत बढ़ी

हांगकांग (एपी)। चीन की अर्थव्यवस्था जुलाई-सितंबर में सालाना आधार पर 4.8 प्रतिशत बढ़ी, जो एक साल में सबसे धीमी बढ़ोतरी है। अमेरिका के साथ व्यापार तनाव और कमजोर घरेलू मांग के चलते चीन की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई। सरकार ने सोमवार को एक रिपोर्ट में कहा कि जुलाई-सितंबर के आंकड़े 2024 की तीसरी तिमाही के बाद से सबसे धीमी वृद्धि को दर्शाते हैं। इससे पिछली तिमाही में वृद्धि दर 5.2 प्रतिशत थी। इस साल जनवरी-सितंबर में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था 5.2 प्रतिशत वार्षिक गति से बढ़ी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन से आयात पर उच्च शुल्क लगाने के बावजूद, देश का निर्यात अपेक्षाकृत मजबूत बना हुआ है क्योंकि कंपनियां दुनिया के दूसरे देशों में बिक्री बढ़ाने पर जोर दे रही हैं।

तीन शेयरों पर दांव लगाकर चमका सकते हैं किस्मत, मिल सकता है दमदार रिटर्न

मुंबई (एजेंसी)। जेमस्टोन इक्विटी रिसर्च एंड एडवाइजरी सर्विसेज के फाउंडर और मार्केट एनालिस्ट मिलन वैष्णव का मानना है कि नया संवत 2082, भारतीय शेयर बाजारों के लिए एक मजबूत साल साबित हो सकता है। उन्होंने मनीकंट्रोल के साथ एक बातचीत में कहा, ग्लोबल शेयर बाजारों की चाल स्थिर रहने की उम्मीद है। लेकिन मुझे लगता है कि शॉर्ट-टर्म चुनौतियों के बावजूद भारतीय शेयर मार्केट भी देर-सवेर रफ्तार पकड़ लेंगे। वैष्णव ने कहा, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआईसीआई बैंक अपने नए बुल रन की शुरुआत पर हैं। आने वाले महीनों में इन दोनों बैंकों में मजबूत तेजी देखने को मिल सकती है।" मंगलवार 21 अक्टूबर को होने वाली मुहूर्त ट्रेडिंग के लिए वैष्णव ने तीन शेयरों को अपने टॉप पिक्स के रूप में सुझाया है।

भारती एयरटेल

वैष्णव के मुताबिक, यह शेयर ब्रॉडर मार्केट्स के मुकाबले लगातार बेहतर प्रदर्शन करने वाले शेयरों में से एक रहा है। फिलहाल, इसने कई महीनों का ब्रेकआउट हासिल कर लिया है। उन्होंने कहा, "मौजूदा स्तरों पर यह स्टॉक आकर्षक है और आने वाले महीनों में 15% तक की बढ़त दे सकता है।"

मुहूर्त ट्रेडिंग पर रणनीति

मिलन वैष्णव ने बताया कि वह आमतौर पर मुहूर्त ट्रेडिंग सेशन के दौरान सिर्फ प्रतीकात्मक ट्रेड्स ही करते हैं। उन्होंने कहा, "मुहूर्त ट्रेडिंग एक 45 मिनट का सेशन होता है, जिसमें रिटेल और इंस्टीट्यूशनल दोनों की ही भागीदारी बहुत कम रहती है। इसलिए एनालिसिस के लिहाज से इसका महत्व सीमित होता है। यह ट्रेडिंग धार्मिक और भावनात्मक नजरिए से महत्वपूर्ण होती है, न कि तकनीकी रूप से। इसके अलावा मुहूर्त ट्रेडिंग के अगले दिन शेयर बाजार में छुट्टी भी रहती है।"

समुदाय ने 186 लक्जरी कार खरीदीं, छूट के रूप में 21 करोड़ रुपये बचाए

गुजरात में जैन समुदाय का 'अपनी तरह का अनूठा सौदा'

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

गुजरात में जैन समुदाय ने 21 करोड़ रुपये की छूट प्राप्त कर 186 महंगी (लक्जरी) कारें घर लाकर अपनी जबर्दस्त खरीद क्षमता दिखाई है। जैन अंतरराष्ट्रीय व्यापार संगठन (जेआईटीओ) के उपाध्यक्ष हिमांशु शाह ने बताया कि बीएमडब्ल्यू, ऑडी और मर्सिडीज जैसे लक्जरी वाहन ब्रांड के साथ यह 'अपनी तरह का अनूठा सौदा' जेआईटीओ द्वारा किया गया।

शाह ने बताया कि जेआईटीओ एक गैर-लाभकारी सामुदायिक संस्था है जिसके पूरे भारत में 65,000 सदस्य हैं। शाह ने कहा, ये 186 लक्जरी कारें, जिनमें से प्रत्येक की कीमत 60 लाख रुपये से 1.3 करोड़ रुपये के बीच है, इस साल जनवरी से जून के बीच पूरे भारत में उनके मालिकों को सौंप दी गईं।

संगठन केवल सुविधा प्रदाता रहा

जेआईटीओ के राष्ट्रव्यापी अभियान से हमारे सदस्यों को छूट के रूप में 21 करोड़ रुपये की बचत हुई।'' उन्होंने कहा कि संगठन केवल एक सुविधा प्रदाता के रूप में था और उसे इस सौदे से कोई लाभ नहीं हुआ। शाह ने कहा कि अधिकांश कारें गुजरात के जैन समुदाय के लोगों ने खरीदीं।

क्रय शक्ति का लाभ उठाया

इस पहल के सूत्रधार नितिन जैन ने बताया कि यह सब तब शुरू हुआ जब कुछ जेआईटीओ सदस्यों ने समुदाय की मजबूत क्रय शक्ति का लाभ उठाकर कार विनिर्माताओं से भारी छूट हासिल करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा, चूंकि क्रय शक्ति जैन समुदाय की प्रमुख खूबियों में से एक है, इसलिए हमने अपने सदस्यों की खरीदारी पर ज्यादा छूट सुनिश्चित करने के लिए ब्रांड से सीधे संपर्क करने का विचार बनाया।

कार निर्माताओं की विपणन लागत कम हुई

कार विनिर्माताओं ने भी इसे फायदेमंद समझा और हमें छूट की पेशकश की क्योंकि इस सौदे से उनकी विपणन लागत कम हो गई। उन्होंने बताया कि भारी छूट की बात फैलने से पहले ही समुदाय के कुछ सदस्यों ने शुरुआत में कारें खरीद लीं।

औसतन आठ से 17 लाख रुपए प्रत्येक ने बचाए

जैन ने मजाकिया अंदाज में कहा, "जल्द ही, अन्य जेआईटीओ सदस्यों ने भी कारें खरीदना शुरू कर दिया। कुल मिलाकर, 186 कारें खरीदी गईं और 21 करोड़ रुपये की बचत हुई। औसतन, प्रत्येक सदस्य ने आठ लाख रुपये से 17 लाख रुपये के बीच बचाए, जो परिवार के किसी सदस्य के लिए एक और कार खरीदने के लिए पर्याप्त हैं।"

उत्सव नाम से नई पहल शुरू

जैन ने आगे बताया कि अपने सफल लक्जरी कार सौदे से उत्साहित जेआईटीओ ने अब 'उत्सव' नाम से एक नई पहल शुरू की है, जिसमें आभूषण, टिकाऊ उपभोक्ता सामान और इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रमुख ब्रांड के साथ इसी तरह की व्यवस्था की गई है।

दूसरे फेज के नामांकन का आखिरी दिन 34 से ज्यादा प्रत्याशी नामांकन भरेंगे

राजद ने 143 की सूची जारी की, 'इंडिया' के 5 सीटों पर हो सकता है दोस्ताना मुकाबला

एजेंसी ▶▶ पटना

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने सोमवार को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने 143 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी, जिनमें से पांच सीटों पर 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों के बीच दोस्ताना मुकाबले के आसार पैदा हो गए हैं। यह सूची ऐसे समय जारी की गई है जब दूसरे और अंतिम चरण के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की समय सीमा समाप्त होने में कुछ ही समय शेष हैं। इस घोषणा के साथ उन अटकलों पर विराम लग गया कि राजद कटुंबा सीट से चुनाव लड़ेगी, जो वर्तमान में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार राम के पास है। पार्टी ने वैशाली, लालगंज और कहलगांव सीटों पर कांग्रेस के उम्मीदवारों के खिलाफ, जबकि तारापुर और गौड़ाबोराम सीटों पर पूर्व मंत्री मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के उम्मीदवारों के खिलाफ अपने प्रत्याशियों की घोषणा की है।

अटकलों पर विराम लग गया कि राजद कटुंबा सीट से चुनाव लड़ेगी

12 सीटों पर महागठबंधन ने एक दूसरे के खिलाफ कैंडिडेट्स उतारे

महागठबंधन में चल रही तनातनी सामने आई

आरजेडी के 143 उम्मीदवार उतारने से पहले ही महागठबंधन में चल रही तनातनी खुलकर सामने आ चुकी है। कांग्रेस नेता पप्पू यादव ने कहा कि आरजेडी गठबंधन धर्म का पालन नहीं कर रही है। इसलिए कांग्रेस को गठबंधन तोड़ देना चाहिए। कांग्रेस ने रविवार देर रात चौथी लिस्ट जारी की थी, जिसमें 6 कैंडिडेट्स के नाम हैं। पार्टी ने अबतक 60 कैंडिडेट्स का ऐलान कर दिया है। पहले फेज के इलेक्शन को 2 हफ्ते का समय बचा है। इस बीच 24 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार दौरे पर रहेंगे। वे जननायक कर्पूरी ठाकुर के गांव जाकर उन्हें श्रद्धांजलि देंगे। इसके

महागठबंधन बिहार में समझौता करने में असफल रहा: मलूक नागर

राजद नेता मलूक नागर ने कहा- यह कोई नई बात नहीं है कि कथित इंडिया गठबंधन बिहार में समझौता करने में असफल रहा। देश के किसी भी राज्य का नाम बताइए जहां यह गठबंधन सफलतापूर्वक समझौता कर पाया हो, आपको कोई भी ऐसा राज्य नहीं मिलेगा।

चुनावी मौसम

30 अक्टूबर को मोदी की मुजफ्फरपुर-छपरा में रैली

30 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुजफ्फरपुर-छपरा में रैली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने रविवार को बताया कि प्रचार की यह रफ्तार आगे 30 अक्टूबर को तेज होगी, जब प्रधानमंत्री मुजफ्फरपुर और छपरा में जनसभाएं करेंगे। प्रधानमंत्री समस्तीपुर से शुरुआत करते हुए ताबड़तोड़ 12 रैलियां करेंगे। यह दौरा बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए कार्यकर्ताओं में जोश फूंकने का काम करेगा।

कांग्रेस ने छह और उम्मीदवार घोषित किए, अब तक 60 मैदान में उतारे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने छह और उम्मीदवारों की घोषणा की है। पार्टी ने अब तक कुल 60 उम्मीदवारों की घोषणा की है, हालांकि महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर गतिरोध के चलते यह अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है कि कांग्रेस कुल कितने सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस ने रविवार रात छह उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी की।

वाल्मीकिनगर से सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा, अररिया से आबिदुर रहमान, अमौर से जलील

मस्तान, बरारी से तौकीर आलम, कहलगांव से प्रवीण सिंह कुशवाहा और सिकंदरा से विनोद चौधरी को प्रत्याशी बनाया गया है। पार्टी ने बृहस्पतिवार को अपने 48 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी, जिसमें पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष राजेश राम और विधायक दल के नेता शकील अहमद खान के नाम प्रमुख थे।

कांग्रेस ने शुक्रवार को दरभंगा जिले के जाले विधानसभा क्षेत्र से ऋषि नारायण मिश्रा को प्रत्याशी घोषित किया, जो पूर्व रेल मंत्री ललित नारायण मिश्रा के पौत्र हैं। पार्टी ने शनिवार को पांच और उम्मीदवार घोषित किए थे। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए दो चरणों में छह नवंबर और 11 नवंबर को मतदान होगा तथा मतगणना 14 नवंबर को होगी।

राज्य में विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों ने की कार्रवाई

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले 23 करोड़ रुपये की शराब जब्त

पटना (भाषा)। बिहार में छह अक्टूबर को विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद से राज्य में विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों ने अब तक कुल 64.13 करोड़ रुपये की शराब, नकदी, नशीले पदार्थ और अन्य लुभावनी वस्तुएं जब्त की हैं। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि बिहार में प्रवर्तन एजेंसियों की ओर से जब्त की गई शराब की कीमत 23.41 करोड़ रुपये आंकी गई है, जबकि राज्य में पूर्ण शराबबंदी लागू है। एक अधिकारी ने बताया कि छह अक्टूबर से अब तक पुलिस और अन्य संबद्ध एजेंसियों ने 753 लोगों को गिरफ्तार किया है और 13,587 गैर-जमानती वारंट का निष्पादन किया गया है।

सीईओ ने आंकड़ों जारी किए

मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, "छह अक्टूबर को विधानसभा चुनावों की घोषणा के बाद से राज्यभर में नकदी, शराब, नशीले पदार्थ और अन्य लुभावनी चीजों के रूप में कुल 64.13 करोड़ रुपये मूल्य की जब्त की गई है।" आंकड़ों के मुताबिक, जब्त की गई वस्तुओं में 23.41 करोड़ रुपये की शराब, 14 करोड़ रुपये की लुभावनी चीजें, 16.88 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ एवं मन:प्रभावी दवाएं और 4.19 करोड़ रुपये नकदी शामिल है।

खबर संक्षेप

बीजद प्रत्याशी ने किया नामांकन पत्र दाखिल

नुआपाड़ा। ओडिशा की नुआपाड़ा विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) की उम्मीदवार स्नेहांगिनी छुरिया ने सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। छुरिया ने विस में विपक्ष की मुख्य सचेतक प्रमिला मलिक समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और विधायकों के साथ नुआपाड़ा के उप-कलेक्टर कार्यालय में अपने दस्तावेज जमा किए। पहले उन्होंने नुआपाड़ा के तेलीपाड़ा में स्थित भगवान शिव के मंदिर में पूजा-अर्चना की।

सोनभद्र में चाचा ने भतीजे की हत्या की

सोनभद्र (उप्र)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में एक व्यक्ति ने अपने भतीजे की कथित तौर पर धारदार हथियार से हमला करके हत्या कर दी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। दुद्धी थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि घटना रविवार की शाम नगवां गांव में हुई, जहां छट्ठू सिंह नामक व्यक्ति ने तलवार से वार कर अपने भतीजे जीत सिंह (19) की हत्या कर दी। घटना के समय जीत अपने घर के दरवाजे पर बैठा था।

उप्र: निजी अस्पताल में जच्चा-बच्चा की मौत

बलिया (उप्र)। बलिया जिले के नगरा थाना पुलिस ने कस्बे में एक निजी अस्पताल में जच्चा-बच्चा की मौत के मामले में संचालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करते हुए अस्पताल को सील कर दिया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। रसड़ा क्षेत्र के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) आलोक गुप्ता ने सोमवार को बताया कि इस मामले में मृतका के पिता सुखदेव की तहरीर पर निजी अस्पताल के संचालक के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है।

गुजरात में मामूली झड़प में तीन की मौत

राजकोट। गुजरात के राजकोट शहर में सोमवार तड़के एक मामूली सड़क दुर्घटना के बाद दो समूहों के बीच झड़प में तीन लोगों की मौत हो गई। सहायक पुलिस आयुक्त बी जे चौधरी ने संवाददाताओं को बताया कि यह झड़प मालवीय नगर पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र में अंबेडकर नगर इलाके में देर रात करीब साढ़े 12 बजे हुई, जब एक मोटरसाइकिल की एक अन्य वाहन से टक्कर हो गई।दुर्घटना के बाद दो समूहों ने एक-दूसरे पर चाकू, खंजर व लाठियों से हमला किया।

मंदिर परिसर जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा

अयोध्या राम मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ी सीएम योगी ने श्रीरामलला के दर्शन किए

भाषा ▶▶ अयोध्या

अयोध्या राम मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ी है, खासकर दिवाली के अवसर पर, जिससे राम पथ और अन्य जगहों पर भक्तों का सैलाब देखा गया। लोग जय श्रीराम के नारे लगा रहे हैं, सरयू घाटों पर दीये जला रहे हैं और मंदिर में रामलला के दर्शन के लिए लंबी कतारों में लगे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में भव्य दीपोत्सव संपन्न होने के बाद सोमवार की सुबह भगवान श्रीरामलला के दर्शन किए। इससे पहले, योगी संकट मोचन हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां उन्होंने हनुमान जी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। योगी ने हनुमानगढ़ी मंदिर के महंत प्रेमदास से भी मुलाकात की। मुख्यमंत्री के आगमन पर मंदिर परिसर "जय श्रीराम" के उद्घोष से गूंज उठा और संतों एवं पुजारियों ने पारंपरिक विधि से उनका स्वागत किया।

देशभर में आज दीपावली का पर्व उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। गोवा में लोग भगवान कृष्ण की बुराई पर जीत के प्रतीक के रूप में राक्षस नरकासुर के बड़े पुतले को जलाकर दिवाली मनाई।

योगी आदित्यनाथ ने दिवाली पर अयोध्या पहुंचे

समाज और देश में फूट डालने वाले तत्वों से सावधान रहें

आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि लोगों को समाज और देश में फूट डालने वाले तत्वों से सावधान रहना होगा। अयोध्या के कारसेवकपुरम में आयोजित दीपावली मिलन समारोह को संबोधित करते हुए योगी ने कहा, "जब हमें कोई उपलब्धि मिल जाती है, तो हम निश्चिंत होकर सोते हैं, लेकिन तभी हमारे साथ धोखा होने की भी आशंका रहती है।" उन्होंने लोगों को सतर्क करते हुए कहा, "यह सोने का समय नहीं है।

पुडुचेरी: बारिश के बावजूद लोगों में दिवाली का उत्साह बरकरार

पुडुचेरी (भाषा)। पुडुचेरी में सोमवार को रुक-रुककर हो रही बारिश के बावजूद दिवाली का त्योहार पूरे उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। लोग सुबह जल्दी उठे, स्नान के बाद नये कपड़े पहने और फिर पूजा-अर्चना के बाद पटाखे फोड़े। मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मिठाई की दुकानों पर भी भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने एक-दूसरे के घर जाकर दिवाली की बधाई और शुभकामनाएं दीं। उपराज्यपाल के कैलाशनाथन, मुख्यमंत्री एन रंगासामी, मंत्रियों और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने लोगों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं। केंद्र-शासित प्रदेश की सरकार ने त्योहार के उपलक्ष्य में मंगलवार को सभी सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) में छुट्टी की घोषणा की है।

- मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा

तिरुवनंतपुरम के नेदुमनगड की घटना

एसडीपीआई और माकपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प एक एंबुलेंस में लगाई आग

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

तिरुवनंतपुरम के नेदुमनगड में संभवत: सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प के बाद एक एंबुलेंस आग के हवाले कर दी गई जबकि दूसरी को क्षतिग्रस्त किया गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। नेदुमनगड पुलिस के अनुसार, रविवार शाम को माकपा के एक स्थानीय नेता पर एसडीपीआई कार्यकर्ताओं के कथित हमले के बाद इलाके में तनाव फैल गया। इस घटना के बाद अज्ञात लोगों ने एसडीपीआई कार्यकर्ताओं के घरों को निशाना बनाया। पुलिस ने बताया कि रविवार रात नकाबपोश लोगों को एंबुलेंस और एसडीपीआई कार्यकर्ता की एक कार को क्षतिग्रस्त करते हुए देखा गया है। बदले की इस संदिग्ध कार्रवाई में माकपा की युवा शाखा 'डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया'द्वारा संचालित एक एंबुलेंस को सोमवार सुबह आग लगा दी गई। यह एंबुलेंस एक सरकारी अस्पताल के पास खड़ी थी। पुलिस ने कहा कि घटना में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस ने बताया कि इलाके में आगे किसी भी तरह की झड़प को रोकने के लिए गश्त बढ़ा दी गई है।

गुजरात पुलिस ने बर्खास्त पुलिसकर्मी रंजीत कासले को डकैती के मामले में गिरफ्तार किया

लातूर (भाषा)। गुजरात पुलिस ने बर्खास्त उपनिरीक्षक रंजीत कासले को सूरत में उनके खिलाफ दर्ज डकैती से जुड़े एक मामले के सिलसिले में महाराष्ट्र के लातूर से गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, रविवार रात गिरफ्तार किए जाने के बाद कासले ने नाटकीय प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "बॉस गिरफ्तार हो गया।" महाराष्ट्र सरकार ने कासले को कुछ महीने पहले बर्खास्त कर दिया था। उसने आरोप लगाया था कि कासले को पिछले साल बीड सरपंच हत्याकांड के मुख्य संदिग्ध वाल्मीक कराड को मारने की सुपारी मिली थी। अपराध शाखा के निरीक्षक सुधाकर ने बताया कि सूरत के पास पाल पुलिस थाने में कासले के खिलाफ डकैती का मामला दर्ज किया गया था।

लाइडर विमान पहाड़ों में हुआ था दुर्घटनाग्रस्त

कांगड़ा के पहाड़ों में लापता कनाडाई पैराग्लाइडर का पता चला: अधिकारी

भाषा ▶▶ धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में धौलाधार पर्वतमाला में पैराग्लाइडिंग के दौरान लापता हुई 27 वर्षीय कनाडाई महिला का पता चल गया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। मेगन एलिजाबेथ रॉबर्ट्स पैराग्लाइडिंग कर रही थीं, तभी उनका ग्लाइडर विमान पहाड़ों में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

रॉबर्ट्स ने शनिवार को बीर-बिलिंग से अकेले उड़ान भरी थी। उनके द्वारा सैटेलाइट फोन से भेजे गए निर्देशांकों के आधार पर उनकी तलाश शुरू कर दी गई थी। एक

रविवार को एक निजी हेलिकॉप्टर ने चार उड़ान भरी थीं

अधिकारी ने बताया कि एक टीम पैदल ही 13,000 फीट की ऊंचाई पर उस जगह पर पहुंच गई हैस जहां दुर्घटना के बाद पैराग्लाइडर गिरा था। बैजनाथ के उप-प्रभागीय न्यायाधीश (एसडीएम) संकल्प गौतम ने बताया, "बादलों के कारण हेलीकॉप्टर वहां उतर नहीं पा रहा है, इसलिए पैराग्लाइडर को वहां से 10,000 फुट की ऊंचाई पर लाया जा रहा है, जहां से उसे हवाई मार्ग से नीचे लाया जाएगा।

गायक जुबिन गर्ग की मौत से संबंधित मामले की जांच तेज

जांच के लिए सिंगापुर पहुंची असम पुलिस की टीम

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

असम पुलिस के दो वरिष्ठ अधिकारी गायक जुबिन गर्ग की मौत से संबंधित मामले की जांच के लिए सोमवार को सिंगापुर पहुंच गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। असम पुलिस के आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के अंतर्गत एक विशेष जांच दल (एसआईटी) इस मामले की जांच कर रहा है। इस संबंध में राज्य में 60 से अधिक प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, सीआईडी के विशेष पुलिस महानिदेशक मुन्ना प्रसाद गुप्ता और तिताबोर के सह-जिला पुलिस अधीक्षक तरुण गोयल गुवाहाटी से सीधी उड़ान से सिंगापुर पहुंच चुके हैं। गुप्ता विशेष जांच दल (एसआईटी) का नेतृत्व कर रहे हैं, जबकि गोयल नौ सदस्यीय दल के सदस्य हैं। अधिकारी ने सिंगापुर में जांच का विवरण साझा करने से इनकार कर दिया, लेकिन एक सूत्र ने कहा कि एसआईटी के दोनों सदस्य ₹घटनास्थल₹ का दौरा करेंगे जहां गर्ग की मौत हुई थी।

90 दिनों के भीतर दाखिल होगी चार्जशीट

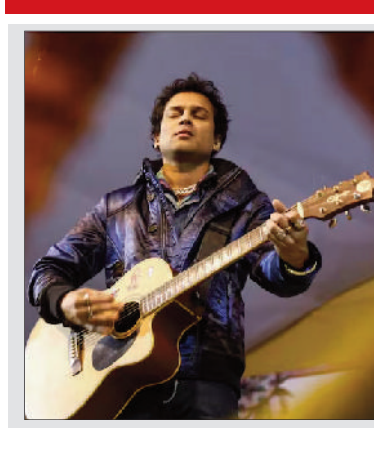

इस मामले की जांच कर रही दस सदस्यीय एसआईटी का नेतृत्व कर रहे विशेष पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने कहा कि इस मामले में जांच चल रही है बयान दर्ज किए जा रहे हैं। हम चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं और जांच सही दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि एसआईटी समय पर अपनी रिपोर्ट अदालत को सौंप देगी। गुप्ता ने पहले कहा था कि आरोप-पत्र 90 दिनों के भीतर दाखिल कर दिया जाएगा।

19 सितंबर को सिंगापुर में गई थी जान

सूत्र ने बताया, "घटनास्थल पर घटना से जुड़ी कड़ियों को जोड़ना पूरी जांच प्रक्रिया के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है। इसके अलावा, असम पुलिस की टीम सिंगापुर में अपने समकक्षों के साथ मिलकर मामले पर चर्चा करेगी।" जुबिन की 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय रहस्यमय परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी। वह पूर्वोत्तर भारत महोत्सव के चौथे संस्करण में भाग लेने के लिए सिंगापुर गए थे। एसआईटी ने शनिवार को हितेश बरुआ सहित गर्ग से जुड़े लोगों के बयान दर्ज किए।

चिंतन

दीपावली पर फिर जहरीली हो गई एनसीआर की हवा

वही हुआ जिसका डर था। दिवाली आते ही राजधानी दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में हवा जहरीली हो गई। हालांकि दिवाली से चार दिन पहले ही एनसीआर में ग्रैप एक लागू कर दिया था। इसके बावजूद प्रदूषण है कि कम होने की बजाए बढ़ गया। हवा की गति कम होने व सर्दी के आगमन और दिवाली के पटाखों ने आम आदमी का हाल बेहाल कर दिया। दिन में ही आसमान में स्मॉग की चादर छाई नजर आई। कई इलाकों में प्रदूषण का स्तर गंभीर व बेहद खराब की स्थिति में पहुंच गया है। ऐसे में दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 296 दर्ज किया गया। यह हवा की खराब श्रेणी है। इसमें शनिवार की तुलना में 28 सूचकांक की वृद्धि दर्ज की गई। ऐसा माना जा रहा था कि इस साल प्रदूषण का स्तर कम रहेगा। इस साल बाढ़ की वजह से आग लगने और पराली जलाने की घटनाएं पिछले कुछ वर्षों के मुकाबले काफी कम थीं। इसके बावजूद दिल्ली में एक्यूआई 195 रिकॉर्ड किया गया है। पराली कम जलने के बावजूद दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के लिए भारी ट्रैफिक को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। भारी ट्रैफिक के चलते लोकल गाड़ियों से निकलने वाला धुआं दिल्ली की हवा में लगातार जहर घोल रहा है। इसके अलावा तापमान में गिरावट और हवा की धीमी रफ्तार इन धूल कणों को वातावरण में लंबे समय तक बनाए रखने में मददगार साबित हो रहा है। इसके साथ ही दीपावली पर पटाखे चलाने के चलते यह स्थिति और भी भयावह हो गई है। एनसीआर में गाजियाबाद की हवा सबसे अधिक प्रदूषित रही। इसके अलावा, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम में लोगों को सांस लेने में परेशानी महसूस हुई। दिवाली पर दिल्ली व आसपास के खरीददारी करने के लिए गाड़ी लेकर निकले लोगों ने भी हवा में जहर घोलने में अहम भूमिका निभाई। जिसके चलते वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में पहुंच गई है। इसके चलते सांस के मरीजों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही, लोगों को आंखों में जलन जैसी समस्या भी हो रही है। राजधानी की हवा में दिवाली से एक दिन पहले ही मानकों से दोगुना प्रदूषण दर्ज किया गया था। मानकों के मुताबिक हवा में पीएम-10 का स्तर 100 से कम और पीएम 2.5 का स्तर 60 से कम होने पर ही उसे स्वास्थ्यकारी माना जाता है। ऐसे में प्रदूषक तत्व पीएम 10 का स्तर 251 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया, जो दोगुने से अधिक है। वहीं, पीएम 2.5 का स्तर 112 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया, जो दोगुने के आसपास है। प्रदूषण में बढ़ोतरी के लिए मुख्यतौर पर विभिन्न स्रोतों से पैदा होने वाले प्रदूषण के कण और मौसम के कारक जिम्मेदार हैं। जिसके चलते हवा में जहर घुल गया और दिवाली के पटाखों ने इसे और भी खतरनाक मोड पर पहुंचा दिया। कोर्ट से इजाजत मिलने के बाद लोगों ने दिवाली पर जमकर आतिशबाजी की। पटाखों से निकलने वाला धुआं वायु प्रदूषण बढ़ाता है, जिससे दमघोंटू और दम घुटने वाली हवा पैदा होती है। यह हवा सल्फर डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसों से भरी होती है। जब भी पटाखे फोड़े जाते हैं तो ये गैस प्रदूषण के रूप में हवा में घुल जाती है। जो किसी भी इंसान के लिए जहर की तरह हैं। जो हो चुका उसे तो अब नहीं बदला जा सकता, लेकिन अगर सजगता बरते तो हवा को जरूर सही किया जा सकता है। इसके लिए सरकार के साथ-साथ आम आदमी को भी पहल करनी होगी। जहां तो जरूरी न हो अपना वाहन न चलाएं। वाहनों का कम से कम प्रयोग करें। घर के बाहर कुड़ा न जलाएं, अगर निर्माण कार्य चल रहा है तो कुछ दिनों के लिए रोक दे। ये छोटे-छोटे कदम बड़ी राहत देंगे।

कृषि योजना
प्रमोद भार्गव

दाल उत्पादन में आत्मनिर्भरता के उपाय

> दो प्रमुख कृषि योजनाओं की शुरुआत की है। धन-धान्य और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन नाम से की गई ये योजनाएं यदि खेत में खरी उतरती हैं तो किसान की माली हालत तो सुधरेगी ही देश दाल उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी हो जाएगा। ये योजनाएं खासतौर से पिछड़े सौ जिलों में कृषि उत्पादकता बढ़ाने और विविध फसलों की पैदावार को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से आरंभ की जा रही हैं। दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर होने के लिए वर्ष 2030-31 तक उत्पादन को बढ़ाकर 350 लाख टन करने का लक्ष्य तय किया है। पीएम मोदी ने इस नाते 100 पिछड़े जिलों में दालों के उत्पादन का दायरा बढ़ाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नानाजी देशमुख ने जयप्रकाश नारायण की जयंती पर दो प्रमुख कृषि योजनाओं की शुरुआत की है। धन-धान्य और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन नाम से की गई ये योजनाएं यदि खेत में खरी उतरती हैं तो किसान की माली हालत तो सुधरेगी ही देश दाल उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी हो जाएगा। इन योजनाओं के लिए 35,440 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। ये योजनाएं खासतौर से पिछड़े सौ जिलों में कृषि उत्पादकता बढ़ाने और विविध फसलों की पैदावार को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से आरंभ की जा रही हैं।

दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर होने के लिए वर्ष 2030-31 तक उत्पादन को 252 लाख टन से बढ़ाकर 350 लाख टन करने का लक्ष्य तय किया है। इस हेतु 35 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि दलहन उत्पादन के दायरे में लाई जाएगी। विडंबना देखिए, भारत दुनिया का सबसे बड़ा दलहन उत्पादन और उपभोक्ता देश है, लेकिन दालों की आपूर्ति आयात पर निर्भर हैं। हालांकि नरेंद्र मोदी के 11 साल के कार्यकाल में कृषि निर्यात दोगुना हो गया है लेकिन दालें आयात करनी पड़ती हैं।

आहार में पौष्टिक तत्वों का कारक मानी जाने वाली दालें, बढ़ते दामों के कारण गरीब की शारीरिक जरूरत पूरी नहीं कर रही हैं। ये हालात मानसून के दौरान औसत से कम या ज्यादा बारिश होने से तो उत्पन्न होते ही हैं, किसान के नकदी फसलों की ओर रुख करने के कारण भी हुए हैं। यही नहीं, यह स्थिति इसलिए भी बनी, क्योंकि कांग्रेस की मनमोहन सिंह सरकार की गलत नीतियों के चलते किसान को खाद्य वस्तुओं की बजाय, ईंधन, प्लास्टिक और फूलों की फसल उगाने के लिए, कृषि विभाग ने जागरूकता के अभियान चलाए। यही वजह रही कि भूमंडलीकरण के दौर में दालों की पैदावार लगातार कम होती चली गई। दाल उत्पादन का रकबा लगभग 15 हजार हेक्टेयर कम हो गया। भारत में दालों की सालाना खपत 220 से 230 लाख टन है। मांग और आपूर्ति के इस बड़े अंतर के चलते जमाखोरों और दाल के आयातक व्यापरियों को भी वारे-न्यारे करने का मौका मिल जाता है। पौष्टिक आहार देश के हरेक नागरिक के स्वस्थ जीवन से जुड़ा अहम प्रश्न है। संविधान के मूलभूत अधिकारों में भोजन का अधिकार शामिल है। चूंकि दालें प्रोटीन और पौष्टिकता का महत्वपूर्ण जरिया हैं। चूंकि दालें आयात करनी होती हैं, इसलिए इनके भाव भी बीच-बीच में बढ़ जाते हैं। इस कारण मध्यवर्गीय व्यक्ति की थाली से दाल गायब होने लगती है। चुनांचे दाल व्यक्ति की सेहत से जुड़ी हैं और बीमारी की हालत में तो रोगी को केवल दाल-रोटी खाने की ही सलाह चिकित्सक देते हैं। वर्ष 1951 में प्रतिव्यक्ति दालों की उपलब्धता 60 ग्राम थी,जो वर्ष 2010 में घटकर 34 ग्राम रह गई। जबकि अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार यह मात्रा 80 ग्राम होनी चाहिए। दालें भारत में प्रोटीन का प्रमुख स्रोत मानी जाती हैं। लेकिन स्थानीय मांग पूरी करने के लिए दाल उत्पादन में किसान को बड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। तुअर दाल की फसल आठ माह में तैयार होती है। बावजूद किसान को उचित दाम नहीं मिलते हैं। गोया, किसान साल में एक फसल उगाने में रुचि कैसे लें? विदेशों में रहने वाले भारतीय भी सबसे ज्यादा तुअर की दाल खाना पसंद करते हैं। देश में सबसे अधिक चने और

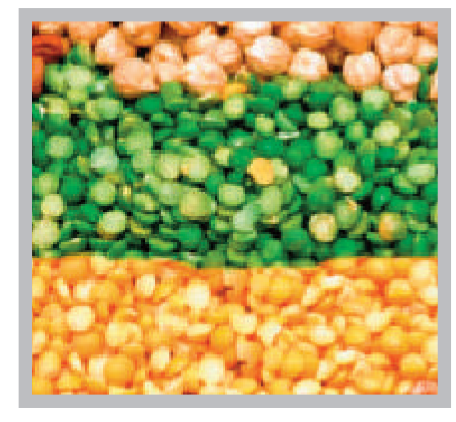

अरहर की खेती होती है। इनके अलावा मूंग और उड़द की दालें पैदा होती हैं। देष में 10 राज्यों के किसान दालों की खेती करते हैं। इनमें सबसे अधिक उत्पादक राज्य महाराष्ट्र है। दालें मुख्य रूप से खरीफ की फसल हैं,जो वर्षा ऋतु में बोई जाती हैं। इस ऋतु में करीब 70 प्रतिशत दालों का उत्पादन होता है।

केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार दालों के तात्कालिक भाव 85.42 प्रति किलो से लेकर 112.88 रुपये किलो तक हैं। भावों में इस उछाल का कारण जमाखोरी और सट्टेबाजी के साथ आयात का कुचक्र है। टाटा, मंहिद्रा, ईजी-डे और रिलांइस जैसी बड़ी कंपनियां जब से दाल के व्यापार से जुड़ी हैं, तब से ये जब चाहे तब मुनाफे के लिए दाल से खिलवाड़ करने लग जाती हैं। जब कंपनियां बड़ी तादाद में दालों का भंडारण कर लेती हैं,तो भावों में कृत्रिम उछाल आ जाता है। हालांकि केंद्र सरकार ने दालों का भंडारण सितंबर 2024 से सीमित किया हुआ है। इस कारण भाव नियंत्रण में हैं। मीडिया दाल के बढ़ते भावों को गरीब की थाली से जोड़कर उछालता है। तब सरकार दाल के आयात के लिए विवश हो जाती है। मसलन देशी-विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हर हाल में पौ-बारह बने रहते हैं। इन कंपनियों का दबदबा इतना है कि कोई भी राज्य सरकार इनके गोदामों पर छापे डालने का जोखिम उठाने का साहस नहीं जुटा पाती। लिहाजा कालाबाजारी बदस्तूर रहती है। ये कंपनियां मसूर और मटर की दाल कनाडा से, उड़द और अरहर की दाल बर्मा के रंगून से, राजमा चीन से और काबुली चना आस्ट्रेलिया से आयात करती हैं। इनके अलावा अमेरिका, रूस, केन्या, तंजानिया, मोजांबिक, मलावा और तुर्की से भी दालें आयात की जाती हैं। कनाडा ने मसूर दाल के भाव पिछले साल की तुलना में दोगुने कर दिए हैं। कनाडा एशियाई देशों में सबसे ज्यादा दालों का निर्यात करने वाला देश है। इस नाते यह कहने में कोई दो राय नहीं कि विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बात तो छोड़िए, देशी कंपनियां भी भारतीय कृषि को बदहाल बनाए रखना चाहती हैं। आयात की जब इन्हें खुली छूट मिल जाती है तो ये जरूरत से ज्यादा दाल व तेल का आयात करके भारत को डंपिंग ग्राउंड बना देती हैं। तय है, कालांतर में भारत की तरह दूसरे देशों में यदि मौसम रूठ जाता है तो दाल और प्याज की तरह खाद्य-तेल के भाव भी आसमान छूने लग जाते हैं। सस्ते तेल का आयात जारी रहने की वजह से ही भारत में तिलहन का उत्पादन प्रभावित हो रहा है। बावजूद हमारे नेता ऐसी नीतियों को बढ़ावा देने की कोशिशों में लगे रहे हैं कि दलहन और तिलहत के क्षेत्र में भारत पूरी तरह परावलंबी बना रहे। इस परिप्रेक्ष्य में मनमोहन सरकार के कृषि मंत्री बलराम जाखड़ ने सलाह दी थी कि भारत अफ्रीका में दालें उगाए और फिर आयात करे। इसी तरह संप्रग सरकार में कृषि मंत्री रहे शरद पवार म्यांमार और उरुग्वे में दालें पैदा करके आयात करना चाहते थे। ये सुझाव समझ से परे हैं। फसल के बाद होने वाले नुकसान को कम करने के लिए प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों में आधुनिक गोदाम और कोल्ड स्टोरेज का नेटवर्क बनाना होगा। यह इस योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। दाल से बेसन, पापड़, नमकीन और अन्य उत्पाद बनाने के लिए स्थानीय प्रसंस्करण को बढ़ावा देने से किसानों की आय में और वृद्धि होगी। आखिर ऐसे क्या रहस्य हैं कि हमारे नीति-नियंता विदेशी धरती पर तो दाल उत्पादन को प्रोत्साहित करना चाहते हैं, किंतु देश के किसानों को लाभकारी मूल्य देना नहीं चाहते? ऐसी मंशाएं देश की खाद्य सुरक्षा को जान-बूझकर संकट में डालने जैसी लगती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस नाते 100 पिछड़े जिलों में दालों के उत्पादन का दायरा बढ़ाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है।

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

विचारधारा
आचार्य श्रीहरि

मरने-मारने की हिंसा में निपट गया माओवाद

माओवाद एक विदेशी विचारधारा है। माओवाद की आधारशिला रखने वाला माओत्से तुंग एक चीनी तानाशाह था। वह अपने पड़ोसी देशों भारत, वियतनाम, भूटान, नेपाल ही नहीं बल्कि जापान, फिलिपींस और कंबोडिया जैसे देशों को भी कीड़े-मकौड़े की तरह देखता और समझना था। अपनी सैनिक शक्ति के बल पर उन्हें कुचलना चाहता था और अपना गुलाम भी बनाना चाहता था। इसीलिए उसने भारत पर हमला किया था, वियतनाम सहित अन्य देशों को भयभीत किया था। माओवाद की विचारधारा भारतीय संस्कृति और सभ्यता से एकदम अलग है। भारतीय संस्कृति और सभ्यता से माओवाद दुश्मनी का भाव रखता है। जैसे एक मयान में दो तलवारें नहीं हो सकती हैं, वैसे एक ही भूभाग पर दो भिन्न-भिन्न विचारधाराएं गतिमान नहीं रह सकती हैं। भारतीय संस्कृति और सभ्यता वसुधैव कुटुम्बकम में विश्वास करती है, समान न्याय में विश्वास करती है, अहिंसा में विश्वास करती है, लूटमार, हत्या और डकैती से विरक्त है। इसीलिए हमारी संस्कृति अहिंसा परमो धर्म का सिद्धांत पर टिकी हुई है। भगवान महावीर ने अहिंसा को मुक्ति का मार्ग बनाया था, आज भी भगवान महावीर के अनुयायी अहिंसा के सिद्धांत का पालन करते हैं और अपने मुंह पर पट्टी लगाते हैं, ताकि कोई प्राणी उनके मुख में आकर शिकार न बन जाए। महात्मा गांधी ने अंग्रेजों को भगाने के लिए इसी अहिंसा परमो धर्म के सिद्धांत का पालन किया था। अहिंसा के सिद्धांत पर चलकर महात्मा गांधी अमर हो गये और आज भी भारत के जनमानस पर उनकी छाप अंकित है और सत्ता की राजनीति भी महात्मा गांधी के अहिंसा के विचारों को आत्मसात कर गतिशील होती है। ऐसी धरती पर माओवाद का अस्तित्व और सक्रियता के जीवंत होने की बहुत बड़ी उम्मीद पालना ही नाउम्मीदी के सम्मान थी, जिसके पीछे असंख्य हत्याएं हुई, विकास और उन्नति की उम्मीदों और सक्रियताओं को बन्दूकों की गोलियों से संहार किया गया, कुचला गया। माओवाद एक तरह से इस्लाम के सहचर जैसे हैं। जिस प्रकार से इस्लाम अपने जन्मकाल के सिद्धांतों से बंधा हुआ है और नये विचारों को अपनाने के लिए तैयार नहीं होता है, उसी प्रकार माओवाद अभी भी बन्दूक की गोली से सत्ता मिलती के सिद्धांत को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। भारत की लोकतंत्र में ये स्वयं अपनी जगह बनाने के लिए तैयार नहीं हैं और भारत की जनता बन्दूक की गोली की क्रांति के साथ चलने के लिए तैयार भी नहीं है। माओवाद की कहानी हिंसक है, खूनी है और तानाशाही है। तानाशाही जहां पर होती है वहां पर जनता की भागीदारी नहीं होती है, जनता की इच्छा कोई स्थान नही रखती है, जनता अपना भाग्य विधाता खुद नहीं चुन सकती है, जनता सिर्फ तानाशाही की इच्छा का पालन करने और तानाशाही के फरमान के अनुसार चलने के लिए बाध्य होती है। कहने की जरूरत नहीं है कि माओवाद जिसके आधार पर खड़ा है यानी कि माओत्से तुंग वह खुद एक तानाशाह था। माओ कहता था कि सत्ता बन्दूक की गोली से निकलती है, सत्ता जनता की इच्छा और जनमत से नहीं निकलती है। यही कारण था कि माओ ने चीन पर वर्षों राज किया, राज करने का अधिकार सिर्फ और सिर्फ बन्दूक की गोली थी। माओ ने चीन से बाहर झांक कर नहीं देखा था, उसने अमेरिका के एटम बम से मारे गये हिरोशिमा-नागाशकी लोगों की विभत्स पीड़ा को नहीं देखी थी, उसने ब्रिटेन के उपनिवेशवाद के प्रहार से बने गिरमिटिया मजदूरों के संघर्ष और अपनी भूमि से बेदखल होने की पीड़ा को नहीं देखा था। हमारा प्रश्न यह है कि अगर माओवाद जनकल्याणकारी था, वैज्ञानिक था तब माओवाद का अंत माओ के मरने के साथ ही क्यों हो गया? भारत का लोकतंत्र जीवंत भी है और गतिमान भी है। लाख विसंगतियां और संकट होने के बावजूद लोकतंत्र के प्रति विश्वास कायम है। माओवाद, लेनिनवाद और मार्क्सवाद एक विफल और खारिज हुई विचारधारा है, जिसमें सिर्फ और सिर्फ हिंसा और तानाशाही निहित है। यही कारण है कि पहले सोवियत संघ का पतन हुआ, लेनिन, स्तालिन और मार्क्स की विचार धाराएं ध्वस्त हुई, फिर चीन माओ की विचारधारा से अलग होकर पूंजीवाद के चरम पर पहुंच गया। भारत में भी माओवाद निरर्थक बन गया है। विश्वविद्यालयों में धमक रखने वाला और धमाल मचाने वाले माओवादी समर्थक युवाओं की कमी महसूस की जा सकती है, इसके घटने और निरर्थक बन जाने को महसूस किया जा सकता है। माओवाद बंदूक की क्रांति की उम्मीद छोड़ेगा नहीं और भारत की जनता इनकी बन्दूक क्रांति होने नहीं देगी। ऐसी परिस्थितियों में माओवाद का निरर्थक होना और माओवाद का संहार होना अनिवार्य ही है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

स्वयं की शक्तियों को पहचानें

संकलित
दर्शन

मनुष्य ही क्या प्राणिमात्र के जीवन की सफलता उसके कर्मों पर निर्भर है। उसके कर्म, ज्ञान, संकल्प, साहस तथा आचरण पर निर्भर करते हैं। अपने आपको जाने बिना व्यक्ति को अपनी क्षमता का आभास नहीं हो सकता। यही वह आत्म-तत्व है, जिसका विवेचन कर मनुष्य विश्वास के साथ अपने जीवन का निर्देशन करता है। सभी प्राणियों में मनुष्य में यह विशेषता होती है कि वह अपने विवेक का प्रयोग कर जीवन की एक धारा निर्धारित कर सकता है। शनैः शनैः सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है। स्वयं की शक्तियों को पहचानने का ज्ञान ही तो जीवन-दर्शन का तत्व है, जिसको आत्म-तत्व भी कहते हैं। यही वह ज्ञान है जो हमें अपनी शक्तियों को समाज के कार्यों में लगाने की प्रेरणा देता है। ज्ञानेंद्रियां मन के अधीन होती हैं और मन बुद्धि के। बुद्धि का संबंध आत्मा से है जो बुद्धि को संयत रहने के लिए प्रेरित करती है। यह आत्मा ही परमात्मा का अंश है। आत्मा का विकास होने पर वह महान-आत्मा (महात्मा) तथा महान से ऊपर उठने पर वह परम [परमात्मा] तक हो जाती है। शास्त्रों के अनुसार राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर स्वामी आदि मानव शिशु के रूप में जन्म लेकर बालक की भांति खेलकर अपनी आत्मा को विकसित कर महात्मा और परमात्मा तक हो गए। आत्मतत्व नित्य एवं शाश्वत है। आत्म-तत्व, पुष्प से भी बड़ी सुगंध की भांति अपनी महत्ता रखता है जो पुष्प को तो सुवासित करता ही है, इससे आसपास का वातावरण भी सुवासित होकर आनंदित हो जाता है।

ज्ञान के साथ परमपद की प्राप्ति

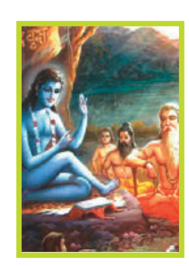

संकलित
प्रेरणा

व्यासपुत्र शुकदेव सभी शास्त्रों में निपुण थे। एक समय उनके मन में यह विचार आया कि मैंने सभी शास्त्रों का अध्ययन कर लिया, किन्तु अभी तक मुझको परमानन्द का अनुभव नहीं हुआ और न यही ज्ञात हुआ कि यह संसार कैसे उत्पन्न हुआ है और कैसे इसकी निवृत्ति होगी। यह सोचकर कि उनके पिता वेदव्यास सर्वज्ञ हैं वे ही उनकी शङ्काओं की निवृत्ति करेंगे। शुकदेव अपने पिता के पास गए और उनके समक्ष उन्होंने अपनी जिज्ञासा प्रकट की। वेदव्यास ने उनको कहा-पुत्र! मैं सर्वतत्त्वज्ञ नहीं हूँ, राजा जनक सर्वतत्त्वज्ञ हैं। तुम उनके पास जाओ। वे ही तुम्हारी शंकाओं की निवृत्ति करेंगे। शुकदेव अपने पिता की आज्ञा पाकर मिथिला नगरी पहुँचे और राजा जनक के द्वार पर आकर उन्होंने द्वारपाल से राजा से मिलने का आशय प्रकट किया। द्वारपाल ने जाकर राजा से कहा कि द्वार पर शुकदेव खड़े हैं और आपसे मिलना चाहते हैं। जनक समझ गए कि शुकदेव तत्त्वज्ञान प्राप्त करने के लिए यहाँ आए हैं। कुछ सोचकर उन्होंने कहा-खड़े रहने दो। शुकदेव सात दिन तक द्वार पर ही खड़े रहे। आठवें दिन राजा ने पूछा-शुकदेव खड़े हैं या चले गए? द्वारपाल ने कहा-महाराज। ये तो उसी प्रकार निश्चल और निस्तब्ध खड़े है जैसे कि आनेवाले दिन थे। राजा ने कहा-उनको ले आओ और अन्तःपुर में महारानियों और सुन्दरियों के मध्य उनके रहने की व्यवस्था कर दो जिससे कि वे उत्तम भोजन, सुख-भोग आदि प्राप्त कर सकें। शुकदेव इस परिस्थिति में भी सात दिन रहे, किन्तु उनको वहाँ रहने से न हर्ष हुआ और न कोई शांक हुआ।

अंतर्मन

आज की पाती

आमजन की कोई कीमत नहीं

राजनीतिक दलों और सरकारों की निगाहों में देश में आम लोगों के जीवन की कोई कीमत नहीं रह गई है। इसका नया प्रमाण मध्यप्रदेश और राजस्थान में दूषित खांसी की सीरिप से होने वाली मौतें हैं। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में मिलावटी सीरिप पीने से 11 और राजस्थान में तीन बच्चो की मौत हो गई। यह पहली बार नहीं है जब देश में स्वास्थ्य सेवाओं से खिलवाड़ का मामला सामने आया है। इससे पहले भी विदेश में निर्यात की जाने वाली खांसी की सीरिप से मौतों के मामले सामने आ चुके हैं। उस वक्त यदि देश के औषिधी विभाग ने सख्त कदम उठाए होते तो जहरीली सीरप पीने से बच्चों की होने वाली मौतों को रोका जा सकता था।

- रूद्रांश शुक्ला, कानपुर

ट्रेंड

वायु शक्ति प्रदर्शन

आईएनएस विक्रांत पर एक विस्मयकारी वायु शक्ति प्रदर्शन देखा, जिसमें सटीकता और पराक्रम का प्रदर्शन किया गया। एक छोटे से रनवे पर मिग-29 लड़ाकू विमानों का कौशल, अनुशासन और तकनीकी उत्कृष्टता का अद्भुत प्रदर्शन था।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम

दिल्ली सरकार शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नए आयाम स्थापित कर रही है। दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध 12 कॉलेजों को वेतन, अधोसंरचना और संचालन हेतु 108 करोड़ की सहायता प्रदान की गई है, ताकि उच्च शिक्षा संस्थान और अधिक सक्षम एवं सुसंगठित बन सकें।
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

जीआई टैग से सम्मानित

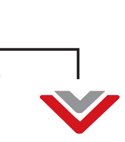

वंदे भारत ट्रेन में जीआई टैग से सम्मानित सांगानेरी प्रिंट के कंबल कवर को स्थान मिलना राजस्थान की शिल्पकलाओं और सांगानेर के लिए गौरव का क्षण है। यह कला अब देश के कोने-कोने तक पहुंचेगी।
-भजनलाल शर्मा, सीएम, राजस्थान

घुसपैठ का मुख्य प्रवेश द्वार

भौगोलिक दृष्टि से बांग्लादेश की सीमा के नजदीक स्थित झारखंड का पाकुड़ जिला आज घुसपैठ का मुख्य प्रवेश द्वार बन चुका है। यहाँ घुसपैठियों के फर्जी दस्तावेज तैयार कर उन्हें सरकारी संरक्षण में योजनाबद्ध तरीके से बसाया जा रहा है।
- बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड

करंट अफेयर

एक गुर्दे के साथ पैदा हुए बच्चे रह सकते हैं स्वस्थ

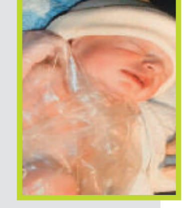

भारत में बाल स्वास्थ्य से जुड़े विशेषज्ञों ने लोगों में उम्मीद जगाते हुए कहा कि केवल एक गुर्दे के साथ जन्म लेने वाले बच्चे उचित देखभाल और नियमित निगरानी और माता-पिता के पूर्ण समर्थन से पूरी तरह स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। इस स्थिति को चिकित्सकीय भाषा में 'यूनिलेटरल रीनल एजेनेसिस' कहा जाता है। विश्व स्तर पर लगभग 1,000 में से एक शिशु केवल एक गुर्दे के साथ पैदा होता है जबकि 1,000 में से एक शिशु ऐसा भी जन्म लेता है, जिसके शरीर में होते दो गुर्दे हैं लेकिन केवल एक ही ठीक से काम कर रहा होता है। यह निदान हालांकि शुरू में चिंता का विषय हो सकता है लेकिन चिकित्सा पेशेवरों ने इस बात पर जोर दिया कि एक स्वस्थ गुर्दा, दो के मुकाबले भी सही से काम करने में सक्षम है। विशेषज्ञों ने बताया कि शरीर में काम रहा एक गुर्दा अक्सर क्षतिपूर्ति की बड़ी जिम्मेदारी संभालता है, जिसे 'कंपन्सेटरी हाइपरट्रॉफी' कहते हैं। गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में बाल शल्य चिकित्सा और बाल मूत्रविज्ञान विभाग के निदेशक डॉ. संदीप कुमार सिन्हा ने बताया, "जब बच्चे के शरीर में एक ही गुर्दा है, तो इनमें से अधिकांश बच्चे बिना किसी जटिलता के बड़े हो जाते हैं।"

ऑफ बीट

शुभता और सेहत का प्रतीक है नारियल

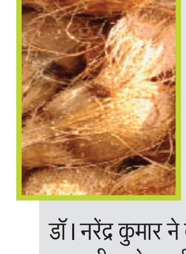

नारियल का पौधा शुभता, पवित्रता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसे घर में लगाना बहुत मंगलकारी माना गया है। धर्म विशेषज्ञों के अनुसार, घर में नारियल का पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह पौधा वातावरण को भी शुद्ध करता है और सकारात्मकता बढ़ाता है। नारियल का पौधा केवल समुद्री इलाकों में ही नहीं, बल्कि घर में गमले में भी आसानी से लगाया जा सकता है। उचित देखभाल और पर्याप्त धूप मिलने पर यह पौधा अच्छी तरह बढ़ता है। यह घर की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ धार्मिक दृष्टि से भी शुभ माना जाता है। इसे दक्षिण दिशा में लगाना विशेष रूप से फलदायी होता है। आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ। नरेंद्र कुमार ने बताया कि आयुर्वेद में नारियल को अमृत फल कहा गया है। यह शरीर को ऊर्जा, पोषण और रोगों से सुरक्षा प्रदान करता है। नारियल पानी पीने से शरीर में जल संतुलन बना रहता है और पाचन शक्ति मजबूत होती है। इसमें मौजूद प्राकृतिक इलेक्ट्रोलाइट्स शरीर को तुरंत ताजगी देते हैं और आयुर्वेदिक डॉक्टर ने बताया कि नारियल पानी एसिडिटी, पेट दर्द और अल्सर जैसी समस्याओं में राहत देता है। वहीं, नारियल तेल कब्ज दूर करने और पाचन सुधारने में सहायक है। यह त्वचा को मॉइस्चराइज करता है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 फोन: 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

मोरक्को ने अर्जेंटीना को हराकर पहली बार अंडर-20 विश्व कप खिताब जीता

सैंटियागो। स्ट्राइकर यासिर ज़ब्रिनी के दो गोल की मदद से मोरक्को ने अर्जेंटीना को 2-0 से हराकर पहली बार अंडर-20 विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। रविवार को खेले गए फाइनल में ज़ब्रिनी ने 12वें और 29वें मिनट में गोल करके मोरक्को को 2009 में घाना के बाद अंडर-20 खिताब जीतने वाला पहला अफ्रीकी देश बनने में अहम भूमिका निभाई। मोरक्को ने स्पेन, ब्राजील और मैक्सिको जैसी मजबूत टीमों की मौजूदगी के बावजूद अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया और फिर नॉकआउट चरण में दक्षिण कोरिया, अमेरिका और फ्रांस को हराकर फाइनल में जगह बनाई। अर्जेंटीना की टूर्नामेंट में यह पहली हार थी जिससे उसका सातवां खिताब जीतने का सपना भी टूट गया।

खबर संक्षेप

साल खराब रहा था लेकिन अब बहुत खुश हूं: नाइट

इंदौर। इंग्लैंड की अनुभवी बल्लेबाज हीथर नाइट को कुछ महीने पहले तक विश्वास नहीं था कि वह महिला वनडे विश्व कप के लिए अपनी राष्ट्रीय टीम में जगह बना पाएंगी या नहीं लेकिन अब भारत के खिलाफ शतक लगाने से वह बहुत खुश हैं। नाइट को इस साल के शुरू में कप्तान पद से हटा दिया गया था और उनकी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था जिसके कारण उन्हें विश्वास नहीं था कि वह विश्व कप के लिए टीम में जगह बना पाएंगी। नाइट ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''मैं सचमुच बहुत खुश हूं। विश्व कप से पहले मेरे लिए यह साल बहुत ही खराब रहा है, झूठ नहीं बोलूंगी।'' उन्होंने कहा, ''मैं वास्तव में इस मौके का पूरा फायदा उठाने के लिए उत्सुक थी क्योंकि मेरे लिए इस मुकाम तक पहुंचना आसान नहीं था।

अभय अमेरिकी ओपन स्क्वाश में आगे बढ़े

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय सिंह फिलाडेल्फिया में 226,000 अमेरिकी डॉलर इनामी पीएसए प्लेटिनम स्क्वाश प्रतियोगिता अमेरिकी ओपन के राउंड-ऑफ-16 में पहुंच गए, लेकिन एक अन्य भारतीय खिलाड़ी रमित टंडन अपने शुरुआती मैच में हार गए। विश्व में 30वें स्थान पर काबिज 27 वर्षीय अभय ने रविवार को 62 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में मिस्र के विश्व के 31वें नंबर के खिलाड़ी मोहम्मद एलशेरबिनी को 11-8, 4-11, 4-11, 11-6, 11-5 से हराया और अब उनका अगला मुकाबला वेल्स के तीसरे वरीय जोएल माकिन से होगा। टंडन को न्यूजीलैंड के विश्व में तीसरे नंबर के खिलाड़ी पॉल कोल से 5-11, 9-11, 7-11 से हार का सामना करना पड़ा।

पहलवान सरिता मोर की मैट पर वापसी की तैयारी

बहादुरगढ़। हरियाणा की पूर्व विश्व नंबर-1 महिला पहलवान सरिता मोर मां बनने के कुछ ही दिनों बाद एक बार फिर कुश्ती के अखाड़े में वापसी की तैयारी कर रही हैं। 7 अक्टूबर को बेटे को जन्म देने के बाद सरिता ने सिर्फ 9 दिन में ही फिटनेस पर ध्यान देना शुरू कर दिया है। उनके पति और कोच राहुल मान का कहना है कि सरिता करीब 40 दिन की परंपरागत अवधि पूरी होने के बाद ट्रेनिंग शुरू करेंगी।

गिल के लिए कप्तानी की राह आसान नहीं

कप्तान बनते ही लगा कलंक, विराट कोहली जैसा घटिया रिकॉर्ड अपने नाम करा गए शुभमन गिल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- कप्तान रोहित शर्मा की सफलता के बाद, शुभमन गिल पर जीत की उम्मीदों का दबाव
- जिसे वह अपने पहले ही मैच में संभाल नहीं पाए।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला टीम इंडिया के लिए निराशाजनक रहा। पर्थ में खेले गए इस मुकाबले में भारत को ऑस्ट्रेलिया के हाथों 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इस हार ने भारतीय क्रिकेट टीम के शानदार जीत के लय को तोड़ दिया, जो साल 2025 में बना था। अनुभवी कप्तान रोहित शर्मा की सफलता के बाद, शुभमन गिल पर जीत की उम्मीदों का दबाव और भी बढ़ गया है, जिसे वह अपने पहले ही मैच में संभाल नहीं पाए। टीम इंडिया को अब इस हार से उबरकर सीरीज में वापसी करनी होगी। कप्तान शुभमन गिल और टीम मैनेजमेंट को अगले मुकाबले में अपनी रणनीति पर गहन विचार करने की जरूरत है, ताकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह सीरीज उनके हाथ से न निकल जाए।

2025 में टीम इंडिया की पहली हार

यह हार भारतीय टीम के लिए इसलिए भी बड़ी है क्योंकि यह साल 2025 में वनडे फॉर्मेट में उसकी पहली हार है। इस हार के साथ ही टीम इंडिया की आठ मैचों की लगातार जीत का सिलसिला थम गया। यह जीत की लय तब बनी थी जब टीम की कप्तानी रोहित शर्मा संभाल रहे थे। रोहित की कप्तानी में टीम इंडिया ने 2025 में खेले गए सभी 8 वनडे मुकाबलों में जीत दर्ज की थी, जिसमें टीम का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा था। हालांकि, शुभमन गिल के हाथों में कप्तानी आते ही यह जीत की लय टूट गई। गिल के नेतृत्व में पहला मैच ही टीम हार गई, जिससे टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और अब वह सीरीज में 0-1 से पीछे हो गई है।

कप्तानी का अनचाहा संयोग

शुभमन गिल के लिए यह हार एक अनचाहा संयोग लेकर आई है। वह उन भारतीय कप्तानों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने अपने नेतृत्व में तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे, टी20) में से प्रत्येक में पहला मैच गंवाया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड सिर्फ विराट कोहली के नाम था। यह रिकॉर्ड दिखाता है कि गिल के लिए कप्तानी की राह आसान नहीं रहने वाली है।

क्रिकेट

अफगानिस्तान ने पाक के साथ खेलने से मना किया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- भारत आएगी अफगानिस्तान टीम, नवंबर में होगी ट्राई सीरीज

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के खिलाफ क्रिकेट खेलने से मना कर दिया है। अगले महीने पाकिस्तान, श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच ट्राई सीरीज होना था। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में एयर स्ट्राइक किए। इसके देश के तीन युवा क्रिकेटर्स की मौत हो गई। इसके बाद अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के साथ खेलने से मना कर दिया। अब अफगानिस्तान भारत दौरे पर अपनी टीम भेजेगी।

अंडर-19 ट्राई सीरीज के लिए दौरा

अफगानिस्तान की अंडर-19 क्रिकेट टीम अगले महीने भारत के दौरे पर आएगी। अफगानिस्तान के क्रिकेट बोर्ड ने इसकी पुष्टि कर दी है। अगले साल की शुरुआत में अंडर-19 विश्व कप है। उससे पहले भारत में अफगानिस्तान की टीम ट्राई सीरीज में हिस्सा लेगी। सीरीज की दो अन्य टीमें इंडिया अंडर-19 ए और इंडिया अंडर-19 बी होंगी। 17 नवंबर की इस ट्राई सीरीज की शुरुआत होगी। तीनों टीम एक दूसरे के खिलाफ दो-दो मैच खेलेंगी। टॉप-2 पर रहने वाली टीम के बीच 30 नवंबर को खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। सभी मुकाबले बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के मैदान पर होंगे।

चैंपियंस लीग

एफसी गोवा से मुकाबले के लिए क्रिस्टियानो रोनाल्डो के भारत आने की संभावना नहीं

भाषा ▶▶| मडगांव

सऊदी अरब के शीर्ष क्लब अल नासर की टीम एफसी गोवा के खिलाफ एएफसी चैंपियंस लीग 2 के मैच के लिए सोमवार की रात को यहां पहुंचेगी लेकिन दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के 22 अक्टूबर को होने वाले मैच के लिए मेहमान टीम के साथ आने की संभावना नहीं है। सऊदी अरब के खेल समाचार पत्र अल रियादिया के अनुसार एफसी गोवा प्रबंधन के कई बार अनुरोध के बावजूद 40 वर्षीय रोनाल्डो अल नासर की टीम का हिस्सा नहीं होंगे। एफसी गोवा ने पूर्व एएफसी कप विजेता अल सीब को हराकर चैंपियंस लीग के दूसरे चरण में जगह बनाई थी। इसके बाद उसे टूर्नामेंट के इस चरण के लिए अल नासर के साथ ग्रुप डी में रखा गया है। रोनाल्डो पिछले कुछ समय से सऊदी अरब के इस क्लब की तरफ से खेल रहे हैं।

जिमनास्टिक विश्व चैंपियनशिप.....

चीन के शी कांग इंडोनेशिया के जकार्ता में 53वीं कलात्मक जिमनास्टिक विश्व चैंपियनशिप के दौरान क्षैतिज बार पर प्रतिस्पर्धा करते हुए।

पाकिस्तान ने 39 वर्षीय स्पिनर आसिफ अफरीदी को टेस्ट टीम में शामिल किया

रावलपिंडी। पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सोमवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए 39 वर्ष के बाएं हाथ के स्पिनर आसिफ अफरीदी को अपनी टीम में शामिल किया है। स्पॉट फिक्सिंग के लिए छह महीने का प्रतिबंध झेल चुके अफरीदी ने अभी तक कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। पाकिस्तान ने अबरार अहमद की जगह उन्हें प्राथमिकता दी है। वह पाकिस्तान के नियमित स्पिनरों, बाएं हाथ के नोमान अली और ऑफ स्पिनर साजिद खान के साथ मिलकर स्पिन विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे। अफरीदी पर घरेलू क्रिकेट में स्पॉट फिक्सिंग में शामिल होने के कारण एक वर्ष का प्रतिबंध लगाया गया था और छह महीने तक वह इस प्रतिबंध को झेलते रहे, जिसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने उन्हें वापसी की अनुमति दे दी। बोर्ड ने हालांकि उन पर लगे प्रतिबंध में ढील देने का कोई कारण नहीं बताया। पाकिस्तान ने पहला टेस्ट मैच 94 रन से जीता था।

महिला वनडे विश्व कप: इंग्लैंड के हाथों चार रन से मिली थी हार

हमारा शॉट चयन बेहतर हो सकता था: मंधाना

एजेंसी ▶▶| इंदौर

भारतीय उप कप्तान स्मृति मंधाना ने महिला वनडे विश्व कप में इंग्लैंड के हाथों चार रन से मिली हार की जिम्मेदारी लेते हुए स्वीकार किया कि उनके आउट होने से बल्लेबाजी क्रम चरमरा गया और उनका शॉट चयन बेहतर हो सकता था। भारत 289 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक समय अच्छी स्थिति में था लेकिन उसे आखिर में हार का सामना करना पड़ा। मंधाना ने 88 रन बनाए तथा कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ 125 और दीप्ति शर्मा के साथ 67 रन की साझेदारी की। लेकिन गलत शॉट खेलने के कारण उन्हें पवेलियन लौटना पड़ा। इससे इंग्लैंड को वापसी का मौका मिल गया। मंधाना ने रविवार को मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''मुझे लगता है कि हम अपने शॉट चयन में और बेहतर कर सकते थे। इसकी शुरुआत मुझसे हुई, इसलिए मैं मानती हूं कि हमारा शॉट चयन बेहतर होना चाहिए था।'' उन्होंने कहा, ''हमें बस छह रन प्रति ओवर चाहिए थे।

शायद हमें खेल को और आगे ले जाना चाहिए था। मैं इसकी जिम्मेदारी लेती हूं क्योंकि विकेट पतन की शुरुआत मुझसे ही हुई थी।'' पहले चार मैचों में पांच गेंदबाजों के संयोजन के साथ खेलने के बाद, टीम प्रबंधन ने इंग्लैंड के खिलाफ गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत करने के लिए बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स के स्थान पर तेज गेंदबाज रेणुका सिंह को लाने का फैसला किया। मंधाना ने कहा, ''पिछले दो मैचों में हमने निश्चित रूप से सोचा था कि पांच गेंदबाजी विकल्प पर्याप्त नहीं हैं, विशेष कर इंदौर के सपाट विकेट पर। इसलिए हमने सोचा कि पांच गेंदबाजों के साथ उतरने से हमें नुकसान होगा।'' उन्होंने कहा, ''जेमी जैसी खिलाड़ी को बाहर करना बहुत मुश्किल फैसला था। लेकिन कभी-कभी संतुलन बनाए रखने के लिए आपको इस तरह की चीज़ें करनी पड़ती हैं। ऐसा नहीं है कि हम आगे भी ऐसा करेंगे। हम परिस्थितियों को देखकर फैसला करेंगे।''

पाकिस्तान पर बड़ी जीत से शीर्ष दो में जगह बनाने उतरेगा दक्षिण अफ्रीका

भाषा ▶▶| कोलंबो

दक्षिण अफ्रीका पहले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुका है और अब उसकी टीम मंगलवार को यहां पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले महिला वनडे विश्व कप के मैच में जीत की लय बरकरार रखने और ग्रुप चरण में शीर्ष दो में जगह बनाने की अपनी संभावनाओं को बढ़ाने के इरादे से उतरेगी। कोलंबो का मौसम फिर से खेल बिगाड़ सकता है लेकिन अगर खेल संभव होता है तो अब तक आठ अंक हासिल कर चुकी दक्षिण अफ्रीका की टीम लीग मुकाबले समाप्त होने से पहले अपने खाते में दो और अंक जोड़ना चाहेगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम अगर लीग चरण में शीर्ष दो में जगह बनाती है तो इससे वह सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया का सामना करने से बच सकती है। ऑस्ट्रेलिया तालिका में शीर्ष पर रहने का प्रबल दावेदार दिख रहा है, जिसका मुकाबला चौथे स्थान पर रहने वाली टीम से होगा।

भारतीय सेना ने नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ रोकने के लिए रोबोटिक खच्चरों का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। ये रोबोटिक खच्चर निगरानी और रसद बढ़ाने में मदद करते हैं, जिनमें लगे सेंसर और कैमरे दुश्मन का पता लगाने में सक्षम हैं। सेना अगली पीढ़ी के हथियारों और उपकरणों का उपयोग कर रही है।

रोबोटिक खच्चरों में सेंसर और कैमरे लगे होते हैं जिससे खतरों का पहले ही हो जाता है आभास

अब पाकिस्तानी आतंकियों को घुसपैठ करना पड़ेगा भारी ‘रोबोटिक खच्चर’ के एक इशारे पर सेना कर देगी ढेर

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

अब पाकिस्तानी आतंकियों को छिपकर घुसपैठ करना भारी पड़ेगा। दरअसल, भारतीय सेना ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर निगरानी और रसद बढ़ाने के लिए रोबोटिक खच्चरों या मल्टी-यूटिलिटी लेग्ड इक्विपमेंट (एमयूएलई) का उपयोग करना शुरू कर दिया है। जिसके एक इशारे पर सेना पाकिस्तानी दुश्मन को सेकेंड भर में ढेर कर देगी। सेना के एक अधिकारी ने कहा कि भारतीय सेना द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे रोबोटिक खच्चर, सेना द्वारा शुरू किए गए कई नवाचारों में से एक हैं।

हम अगली पीढ़ी के हथियारों और उपकरणों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इन रोबोटिक खच्चरों को गश्त के लिए तैनात किया जाता है। इनमें लगे कैमरों की वजह से हम खतरे का पहले ही पता लगा सकते हैं। रोबोटिक खच्चरों में सेंसर और कैमरे लगे होते हैं। हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी इनका इस्तेमाल किया था

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी इनका इस्तेमाल किया था

कंप्यूटर, बैटरी से लेकर ये उपकरण लगे होते हैं

इसमें एक कंप्यूटर, बैटरी, आगे और पीछे के सेंसर और गतिशीलता के लिए पैर होते हैं। भारतीय सेना को कथित तौर पर जून 2024 में इनमें से 100 रोबोटिक खच्चर मिले थे। इन सभी इलाकों में चलने वाले रोबोट का उद्देश्य विविध वातावरण में सैनिकों की दक्षता और सुरक्षा में सुधार करना है। वे सीढ़ियों, खड़ी ढलानों और मलबे से भरे क्षेत्रों में चल सकते हैं।

एयरोआर्क कंपनी ने किया है निर्माण

आर्क वेंचर्स (एआरसीवी) की नई दिल्ली स्थित सहायक कंपनी एयरोआर्क द्वारा विकसित एआरसीवी म्यूले को विभिन्न कार्यों के लिए डिजाइन किया गया है। इनमें परिधि सुरक्षा, संपत्ति की सुरक्षा, खतरनाक सामग्री (सीबीआरएनई), बम निरोधक और खुफिया जानकारी एकत्र करना शामिल है। रोबोटिक खच्चर, जिसे मल्टी-यूटिलिटी लेग्ड इक्विपमेंट (एमयूएलई) के रूप में भी जाना जाता है, को दूर से नियंत्रित या स्वायत्त रूप से संचालित किया जा सकता है।

खबर संक्षेप

फिलीपीन में तूफान से छह लोगों की मौत

मनीला (एपी)। उत्तर और मध्य फिलीपीन में पिछले सप्ताह आए उष्णकटिबंधीय तूफान ‘फेंगशेन’ के कारण कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और 22,000 से अधिक लोगों को बाढ़ एवं भूस्खलन की आशंका वाले क्षेत्रों को छोड़कर सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। मौसम पूर्वानुमान एजेंसी ने बताया कि ‘फेंगशेन’ रविवार देर रात उत्तर फिलीपीन के लूजोन से दक्षिण चीन सागर की ओर बढ़ गया और इस दौरान क्षेत्र में 65 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। सरकारी आपदा प्रबंधन एजेंसी ने तूफान के कारण छह लोगों की मौत की पुष्टि की।

हांगकांग: समुद्र में गिरा, दो की मौत

हांगकांग (एपी)। हांगकांग में सोमवार तड़के एक मालवाहक विमान उतरने के दौरान रनवे से फिसलकर समुद्र में जा गिरा, जिससे दो लोगों की मौत हो गई। हांगकांग हवाई अड्डा प्राधिकरण के अनुसार, यह उड़ान दुबई से आ रही थी और हांगकांग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तड़के तीन बजकर 50 मिनट पर उतर रही थी। विमान के चालक दल के चार सदस्यों को बचा लिया गया और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ठाणे में भीषण सड़क हादसा, महिला की मौत

ठाणे (भाषा)। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में एक अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे उस पर सवार एक महिला की मौत हो गई और एक पुरुष घायल हो गया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि यह दुर्घटना रविवार रात करीब 11.30 बजे घोड़बंदर रोड पर विजय गार्डन हाउसिंग सोसाइटी के पास एक पुल के नीचे हुई। एक अधिकारी ने बताया कि पुरुष और महिला एक पार्टी से लौट रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन ने उनके दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी। अधिकारी के मुताबिक, दोपहिया वाहन पर पीछे बैठी स्वाति नामक महिला दूसरे वाहन के पहियों के नीचे आ गई।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत को दी धमकी

अगर भारत ने रूस से तेल खरीदना जारी रखा तो उसे भारी शुल्क चुकाना होगा

- रूस से तेल खरीदने वाले देश यूक्रेन युद्ध को अप्रत्यक्ष रूप से वित्तीय सहायता दे रहे

भाषा ▸▸ वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर भारत रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी रखता है, तो उसे “भारी शुल्क” चुकाना होगा।

ट्रंप ने दोहराया कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आश्वासन मिला है कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा। ‘एयर फोर्स वन' में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि अगर भारत रूस से तेल खरीदना बंद नहीं करेगा, तो उसे “भारी शुल्क चुकाते रहना होगा।” उन्होंने कहा, “वह (भारत) ऐसा नहीं करना चाहता।”

ट्रंप रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत की हालिया टिप्पणियों के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे। भारत ने पिछले हफ्ते कहा था कि वह बाजार की परिस्थितियों के अनुरूप ऊर्जा खरीद के अपने स्रोतों को “व्यापक और विविध” बना रहा है।

पहले भी ट्रंप कर चुके हैं दावा

इससे कुछ घंटे पहले ट्रंप ने दावा किया था कि मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत रूस से कच्चे तेल की खरीद बंद कर देगा। ट्रंप ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि भारत ने ऐसी कोई टिप्पणी की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि उन्होंने ऐसा कहा है। नहीं, मैंने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात की है और उन्होंने कहा है कि वह रूसी तेल नहीं खरीदेंगे। अमेरिका का कहना है कि भारत रूसी कच्चे तेल की खरीद के जरिये पुतिन को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध जारी रखने में वित्तीय सहायता दे रहा है। रूसी तेल की खरीद को लेकर भारतीय वस्तुओं के आयात पर 50 प्रतिशत टैरिफ (शुल्क) लगाने के ट्रंप प्रशासन के फैसले के बाद से भारत और अमेरिका के संबंध तनावपूर्ण दौर से गुजर रहे हैं। इसमें से 25 प्रतिशत शुल्क रूस के कच्चा तेल खरीदने की वजह से लगाया गया है।

ट्रंप के दावे को खारिज कर चुका है भारत

▸▸ ट्रंप ने पहले भी दावा कर चुके हैं कि पीएम मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। हालांकि भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से ट्रंप के दावे को खारिज किया जा चुका है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि भारत की ऊर्जा नीति का उद्देश्य अपने उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि भारत एक जिम्मेदार एनर्जी इम्पोर्टर है। हम अपने फैसले स्वतंत्र रूप से लेते हैं ताकि कीमतें स्थिर रहें और आपूर्ति में विविधता बनी रहे। भारत ने दोहराया कि उसकी प्राथमिकता आर्थिक संतुलन और घरेलू जरूरतों को पूरा करना है न कि किसी राजनीतिक दबाव में आना।

ट्रंप के टैरिफ से भारत पर पड़ा असर

▸▸ ट्रंप प्रशासन ने इस साल की शुरुआत में ही भारत के कई उत्पादों पर आयात शुल्क बढ़ा दिया था। इसमें कपड़े, दवाइयां और कृषि उत्पाद शामिल हैं. भारतीय उद्योग संगठनों का कहना है कि इस नीति से निर्यात पर नकारात्मक असर पड़ा है. अगर रूसी तेल के मुद्दे पर भी नया टैरिफ लगाया गया तो भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में खटास आ सकती है।

मोदी-ट्रंप बातचीत पर विवाद

▸▸ ट्रंप ने अपने बयान में दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे रूसी तेल न खरीदने का वादा किया था। हालांकि भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि ऐसी किसी बातचीत का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड मौजूद नहीं है, जब पत्रकारों ने इस पर सवाल उठाया तो ट्रंप ने कहा किअगर वे ऐसा नहीं मानते तो उन्हें भारी टैरिफ देना होगा।

जापान में मौजूद है दुनिया का सबसे छोटा पार्क, आकार एक मीटर से भी कम

शिजुओका। आपने अपने जीवन में कई खूबसूरत पार्क की सैर की होगी, जो हरे-भरे पेड़ों और पौधों से भरे होते हैं। आम तौर पर पार्क 4,000 से 40,000 वर्ग मीटर तक फैले होते हैं। हालांकि, क्या हो अगर हम आप से कहें कि दुनिया में एक वर्ग मीटर से भी छोटा पार्क मौजूद है? दरअसल, जापान में दुनिया का सबसे छोटा पार्क स्थित है, जिसका नाम अब गिनीज बुक में भी शामिल हो गया है।

2 ए3 कागज जितना है इस पार्क का आकार

यह अनोखा पार्क शिजुओका के नागाइजुमी टाउन में स्थित है, जो टोक्यो से महज 1 घंटा दूर है। जब आप इस जगह की सैर पर निकलेंगे तो आपको सड़क के किनारे एक छोटी-सी वस्तु दिखाई देगी, जो असल में एक पार्क है। इस पार्क में एक प्रवेश द्वार, एक छोटी बेंच और हरी-भरी घास भी मौजूद है। यह पार्क केवल 0.24 वर्ग मीटर का है, जो कि A3 पेपर की 2 शीट के बराबर है।

अमेरिकी पार्क से प्रेरित हो कर बनाया गया था यह पार्क

नागाइजुमी टाउन के निर्माण प्रबंधन प्रभाग की कर्मचारी शूजी कोयामा ने बताया कि सड़क पर खाली जगह का उपयोग करने के लिए 1988 में इस पार्क को बनाया गया था। उस वक्त एक कर्मचारी अमेरिका की यात्रा पर गए थे, जहां उन्हें पिछले रिकॉर्ड के बारे में पता लगा था। इसके बाद उन्होंने उससे भी छोटा पार्क बनाने की ठान ली थी। इसके निर्माण के बाद से ही यह स्थानीय लोगों का पसंदीदा बना हुआ है।

इस पार्क के जरिए बढ़ेगा शहर का पर्यटन

इस शहर का प्रयास है कि इस सुंदर पार्क के जरिए पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए। कोयामा ने कहा, “हम इस पार्क का रखरखाव जारी रखना चाहते हैं। साथ ही, एक ऐसा परिदृश्य बनाना चाहते हैं, जो सोशल मीडिया के लिए अधिक अनुकूल हो, ताकि और भी अधिक लोग इसे देखने आएं। स्थानीय लोग इस पार्क के पास आराम करने आते हैं और पर्यटक इसे देख कर अचंभित हो जाते हैं ।

सोशल मीडिया पर छा रही हैं इस पार्क की तस्वीरें

इसे आधिकारिक तौर पर दुनिया के सबसे छोटे पार्क का खिताब दिलाने के लिए गिनीज बुक की टीम से संपर्क किया गया। पार्क के सटीक क्षेत्र को मापने के लिए एक पेशेवर सर्वेक्षक को बुलाया गया। गिनीज बुक की टीम ने इसे दुनिया का सबसे छोटा पार्क घोषित कर दिया। इस प्यारे-से पार्क की तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी छा रही हैं और लोग इसकी जमकर तारीफ भी कर रहे हैं।

राफा सीमा पार के फिर से खुलने का इंतजार

बाहरी दुनिया से जुड़ने को गाजा बेताब

काहिरा। सोमवार को इजरायल और हमास के बीच युद्ध विराम समझौते के बाद, गाजा पट्टी में प्रवेश करने से पहले इजरायली अधिकारियों द्वारा निरीक्षण की प्रतीक्षा में, मानवीय सहायता ले जाने वाले ट्रक राफा क्रॉसिंग के मिस्र के द्वार को पार करने की तैयारी कर रहे हैं। फिलिस्तीनी और सहायताकर्मी राफा सीमा पार के फिर से खुलने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो गाजा पट्टी की भोजन और अन्य सहायता के लिए जीवन रेखा है और बाहरी दुनिया के लिए इसका एकमात्र प्रवेश द्वार है, जो युद्ध से पहले इजराइल के नियंत्रण में नहीं था। इजराइल के विदेश मंत्री ने कहा कि गाजा का अधिकांश भाग मलबे में तब्दील हो चुका है और अकाल की चपेट में है, इसलिए उसे ईंधन, भोजन, दवा और तंबुओं की भारी आपूर्ति की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र सहायता प्रमुख टॉम फ्लेचर ने कहा कि वह क्रॉसिंग की ओर जा रहे हैं और उन्हें उम्मीद है कि शांति समझौते के बाद सहायता की भारी आपूर्ति के तहत यह मार्ग ट्रकों से भरा होगा। यहां बताया गया है कि यह क्रॉसिंग इतनी महत्वपूर्ण क्यों है।

इतालवी पेंटर की 50 साल से लापता 2 पेंटिंग होंगी नीलाम

इटली। कला एक ऐसी चीज है जो छिपाए नहीं छिप सकती। भले ही कोई कलाकार दुनिया को अलविदा क्यों न कह जाए, लेकिन उसकी कला हमेशा अमर रहती है। यह बात तब साबित हो गई जब इटली के एक पेंटर की 2 पेंटिंग 50 साल बाद मिलीं। ये दोनों पेंटिंग आधुनिकतावादी अमेदिओ मोदिग्लिआनी ने बनाई थीं, जो इतने सालों में पहली बार नीलाम होने वाली हैं। **कब और कहां होने वाली है नीलामी** : इन पेंटिंग की नीलामी का आयोजन सोथबी नामक नीलामीघर द्वारा करवाया जा रहा है। ये दोनों पेंटिंग ‘मॉडर्न आर्ट सेल्स’ का हिस्सा रहेंगी, जो पेरिस में 24 अक्टूबर को आयोजित होने वाली है। नीलामीघर ने उम्मीद जताई है कि प्रत्येक पेंटिंग की कीमत करीब 76 करोड़ रुपये तक लगेगी। इस बिक्री के दौरान नीलाम होने वाली सभी पेंटिंग की अनुमानित कीमत करीब 500 करोड़ से ज्यादा तय की गई है।

1919 में बनी थी पहली पेंटिंग

मोदिग्लिआनी की पहली पेंटिंग का नाम है ‘एल्विरा की प्रतिमा’, जिसे उन्होंने 1919 में बनाया था। इसे बनाने के एक साल बाद ही 35 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था। यह पेंटिंग एक निजी संग्रह का हिस्सा थी, जिसे शुक्रवार को सोथबी ने हासिल किया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दी जानकारी

अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के लिए चक्रवात का अलर्ट जारी किया

भाषा ▸▸ पोर्ट ब्लेयर

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण के कारण अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के लिए ‘चक्रवात का अलर्ट' जारी किया है, जिसके 21 अक्टूबर से जोर पकड़ने का अनुमान है। अधिकारियों ने कहा कि इस मौसम प्रणाली की वजह से क्षेत्र में 23 अक्टूबर तक भारी बारिश होने का पूर्वानुमान है, जिसके मद्देनजर स्थानीय बंदरगाहों के लिए चेतावनी जारी की गई है। अधिकारी ने कहा कि निकोबार द्वीप समूह में कुछेक स्थान पर भारी बारिश (7-11 सेंटीमीटर) होने की आशंका है। 21, 22 और 23 अक्टूबर को अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में कुछ जगहों पर तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा) चलने और गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है। 22 से 23 अक्टूबर तक अंडमान सागर में 35-45 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है, जो बढ़कर 55 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं।

मछुआरों को सलाह

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 24 अक्टूबर तक अंडमान सागर और अंडमान एवं निकोबार तट के आसपास समुद्र में न जाएं।” इस बीच, आईएमडी ने कहा कि तमिलनाडु में दीपावली के दिन 100 मिलीमीटर से अधिक बारिश होने का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग ने कहा कि इरोड, नीलगिरि, कोयंबटूर, तिरुपुर, डिंडीगुल, थेनी, मदुरै, विरुधुनगर, रामनाथपुरम, शिवगंगा, पुदुकोट्टई, तंजावुर, तिरुवरूर, कराईकल, मइलादुथुराई, विल्लुपुरम, कांचीपुरम, चेंगलपट्टू, कुड्डालोर और नागपट्टिनम के कुछ हिस्सों में 64.5 मिलीमीटर से लेकर 111.5 मिलीमीटर तक बारिश होने का पूर्वानुमान है।

4000 करोड़ की लागत में बना है ये ‘इनवर्टेड ग्राउंडस्क्रैपर’

होटल में कुल 337 कमरे हैं, जिनमें से हर एक में वॉइस-कंट्रोल सिस्टम

खदान के अंदर बने वाटरफॉल होटल की 16 मंजिलें बनी हैं जमीन के 88 मीटर नीचे

एजेंसी ▸▸ बीजिंग

दुनिया में ऐसी कई इमारतें हैं, जो अपनी अनोखी आर्किटेक्चर के लिए जानी जाती हैं। इस लिस्ट में चीन के एक खास होटल का नाम भी शामिल है। यह होटल एक खदान के अंदर बना है और वॉटर फॉल होटल के नाम से जाना जाता है। चीन के शंघाई शहर के सोंगजियांग जिले में स्थित इंटरकॉन्टिनेंटल शंघाई वंडरलैंड होटल आर्किटेक्चर और इंजीनियरिंग का एक शानदार उदाहरण है। यह अनोखा होटल एक पुरानी खदान के अंदर बना है, जिसकी वजह से इसे ‘क्वारी होटल’ या ‘खदान होटल’ के नाम से भी जाना जाता है। इस होटल का इतिहास काफी दिलचस्प है। इस खदान को 1950 के दशक में जापानियों ने युद्ध के दौरान बंकर बनाने के लिए खोदा था। बाद में इसे आंशिक रूप से पानी से भरकर एक आर्टिफिशियल झील में बदल दिया गया। साल 2006 में शंघाई के एक प्रॉपर्टी ग्रुप ने इस जगह में संभावना देखी और इसे एक लग्जरी होटल में तब्दील करने का फैसला किया। इस प्रोजेक्ट की शुरुआत 2009 में हुई।

पानी के नीचे बना है सीफूड रेस्टोरेंट

क्यों कहा जाता है वाटरफॉल होटल?

होटल की सबसे खास बात इसकी संरचना है, जो 88 मीटर गहरी खदान की दीवारों में बनाई गई है। इसमें कुल 18 मंजिलें हैं, जिनमें से 16 भूमिगत और दो मंजिलें पानी के नीचे स्थित हैं। इसके सामने 90 मीटर ऊंचा कृत्रिम झरना होटल की खूबसूरती में चार चांद लगाता है, जिसके कारण इसे ‘वॉटरफॉल होटल’ भी कहा जाता है। इस होटल को डिजाइन करने के लिए कई मशहूर आर्किटेक्चर फर्म्स को चुना गया। होटल की डिजाइन में फेंगशुई के प्रिंसिपल्स को अपनाया गया है और इसे ‘इनवर्टेड ग्राउंडस्क्रेपर’ कहा जाता है।

आराम और रोमांच का अनुभव

इस होटल में ठहरना केवल आराम का नहीं, बल्कि रोमांच का भी अनुभव है। यहां क्लिफ के किनारे बने विला और पानी के नीचे बने सुइट्स हैं, जहां कांच की दीवारों से मेहमान सीधे झील के भीतर का नजारा देख सकते हैं। होटल में कुल 337 कमरे हैं, जिनमें से हर एक में वॉइस-कंट्रोल सिस्टम जैसी सुविधाएं मौजूद हैं। खाने-पीने के लिए होटल में पानी के नीचे बना सीफूड रेस्टोरेंट, कैंटोनीज फाइन डाइनिंग और क्वारी बार जैसे ऑप्शन मौजूद हैं। इसके अलावा, होटल में वॉटर स्पोटर्स एरिया, इंफिनिटी पूल और स्पा की सुविधा भी है। रोमांच पसंद करने वालों के लिए पास के थीम पार्क में जिपलाइन, बंजी जंप, रॉक क्लाइम्बिंग और ग्लास वॉकवे जैसी गतिविधियां मौजूद हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2023-25